दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 158/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 3 जनवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

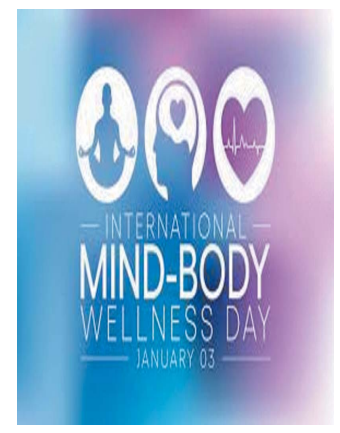

सांध्यप्रकाश विशेष

सरकार अब कश्मीर का नाम बदलेगी, गृह मंत्री शाह ने संकेत दिया!

केंद्र की एनडीए सरकार ने अपने कार्यकाल में कई शहरों के नाम बदले, अब सरकार एक राज्य का ही नाम बदलने की तैयारी कर रही है। इसका इशारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार दिया। उन्होंने गुरुवार को दिल्ली में जम्मू-कश्मीर एंड लद्दाख द एजेस पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में कहा, हम जानते हैं कि कश्मीर को कश्यप की भूमि के नाम से जाना जाता है, शायद हो सकता है कि उनके नाम से कश्मीर का नाम पड़ा हो। इतिहासकारों ने कश्मीर का इतिहास पुस्तकों के जरिए बताने की कोशिश की। मेरी इतिहासकारों से अपील है कि प्रमाण के आधार पर इतिहास लिखें।

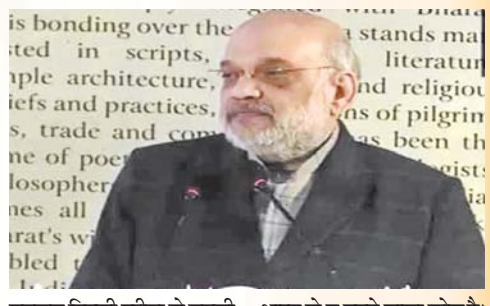

उन्होंने कहा, 150 साल का एक दौर था, जब इतिहास का मतलब दिल्ली दरीबा से बल्ली मारान तक और लुटियन से जिमखाना तक था। इतिहास यहीं तक सीमित था। यह समय शासकों को खुश करने के लिए लिखे गए इतिहास से खुद को मुक्त करने का है। मैं इतिहासकारों से अपील करता हूं कि वे हमारे हजारों साल पुराने इतिहास को तथ्यों के साथ लिखें।

शाह ने कहा, कश्मीर का भारत से न टूटने वाला जोड़ है। लद्दाख में मंदिर तोड़े गए, कश्मीर में आजादी के बाद गलतियां हुईं, फिर उन्हें सुधारा गया। शंकराचार्य का जिक्र, सिल्क रूट से साबित होता है कि कश्मीर में ही भारत की संस्कृति की नींव पड़ी थी। सूफी, बौध और शैल मठ सभी ने कश्मीर में विकास किया। देश की जनता के सामने सही चीजों को रखा जाए।

गलवान और डेमचोक सहित एलएसी के दूरदराज के गांव, भारतीय सेना के 4जी टावरों के साथ भारत की डिजिटल क्रांति का हिस्सा बने

नई दिल्ली। चीन के साथ चल रहे सीमा विवाद के बीच, भारत ने पिछले चार वर्षों में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के साथ क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इस विकास में एक नया अध्याय एलएसी के साथ 4जी कनेक्टिविटी की शुरूआत है, जो इन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों को भारत की डिजिटल क्रांति के दायरे में लाता है। गलवान और डेमचोक सहित लद्दाख के दूरदराज के गांव, जो पहले 4जी मोबाइल कनेक्टिविटी से वंचित थे, अब हाई-स्पीड इंटरनेट से जुड़ गए हैं।

भारतीय सेना ने इन क्षेत्रों में 4जी टावर स्थापित किए हैं, जिससे स्थानीय निवासियों और सुरक्षा बलों दोनों के लिए बेहतर संचार और कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा सके। यह कदम न केवल क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति को मजबूत करता है बल्कि स्थानीय आबादी के लिए नए अवसर भी खोलता है। ये क्षेत्र, जो लंबे समय से आधुनिक संचार के लाभों से अलग थे, अब आवश्यक ऑनलाइन सेवाओं तक पहुंच सकते हैं, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और आर्थिक विकास जैसे क्षेत्रों में सुधार हो सकता है।

इन सीमांत गांवों में 4जी टावरों की स्थापना डिजिटल विभाजन को पाटने, निवासियों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने और संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा प्रयासों का समर्थन करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

दुनिया की सबसे महँगी वॉच अनंत अंबानी की 22 करोड़ की घड़ी

नई दिल्ली। अनंत अंबानी घड़ियों के एक बेहतरीन संग्रह के मालिक हैं। मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के सबसे छोटे बेटे एक हॉरोलॉजिस्ट हैं और अक्सर रिचर्ड मिल, पाटेक फिलिप, ऑडेमर्स पिगुएट और अन्य जैसे लग्जरी ब्रांड की घड़ियाँ पहनते हैं। हाल ही में, राधिका मर्चेंट के साथ आउटिंग के दौरान, उन्होंने एक अनोखी घड़ी पहनी - रिचर्ड मिल आरएम 52-04 स्कल ब्लू सैफायर। यह दुनिया की सबसे दुर्लभ घड़ियों में से एक है। अनंत अंबानी की दुर्लभ रिचर्ड मिल घड़ी की कीमत 22 करोड़ है। यह बर्फ के टुकड़े जैसी दिखती है, दुनिया में इसके सिर्फ़ 3 पीस हैं अनंत अंबानी की दुर्लभ रिचर्ड मिल घड़ी घड़ी विज्ञान की दुनिया में, रिचर्ड मिल आरएम 52-04 स्कल ब्लू सैफायर को दुनिया की सबसे दुर्लभ घड़ियों में से एक माना जाता है। इंस्टाग्राम पेज, द इंडियन हॉरोलॉजी के अनुसार, यह केवल रिचर्ड मिल के सबसे बेहतरीन ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। इसके अलावा, घड़ी के केवल तीन पीस ही बनाए गए हैं, जिससे आरएम 52-04 स्कल कलेक्टरों के लिए एक बेहद दुर्लभ वस्तु बन गई है, यह बात लग्जरी वॉच स्टोर विंटेज ग्रेल ने कही है। उनके इंस्टाग्राम पेज पर एक पोस्ट में कहा गया है, आप भाग्यशाली होंगे कि आपने अपने जीवनकाल में इसे देखा है।

अनंत अंबानी की घड़ी की कीमत रिचर्ड मिल आरएम 52-04 स्कल ब्लू सैफायर घड़ी की कीमत लगभग 22,51,90,481 या 22 करोड़ है। अनजान लोगों के लिए, रिचर्ड मिल एक स्विस घड़ी बनाने वाला ब्रांड है जो अपनी ऊंची कीमतों और खास डिजाइनों के लिए जाना जाता है। यह अमीर और मशहूर लोगों के बीच एक स्टेटस सिंबल बन गया है।

2013 बैच की आईएएस अधिकारी रूही खान मप्र में वापस लौटेंगी

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा में 2013 बैच की आईएएस अधिकारी रूही खान अपने पैरंट कैडर एमपी में वापस लौटेंगी। इस संबंध में डीओपीटी द्वारा आदेश जारी किए गए हैं।

रूही खान केंद्र में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में डिप्टी सेक्रेटरी के पद पर कार्यरत है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रूही खान 26 दिसंबर 2022 से केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में डिप्टी सेक्रेटरी पद पर पदस्थ है। वे केंद्र सरकार में अपनी प्रति नियुक्ति अवधि पूर्ण होने के पहले ही अपने पेरेंट कैडर मध्य प्रदेश में वापस लौट रही है।

दिल्ली में पीएम ने किया वीर सावरकर कॉलेज सहित करोड़ों की परियोजनाओं का शिलान्यास

2025 में हमारी भूमिका सशक्त होगी: मोदी

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज दिल्ली में 4500 करोड़ रुपए की कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने अशोक विहार स्थित स्वाभिमान अपार्टमेंट में झुग्गी-झोपड़ी पुनर्वास परियोजना के तहत लाभार्थियों को फ्लैटों की चाबियां सौंपी और इससे पहले उन्होंने लाभार्थियों से बातचीत की। इसके अलावा पीएम ने दिल्ली यूनिवर्सिटी में 600 करोड़ रुपए की 3 नई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। इसमें नजफगढ़ के रोशनपुरा में वीर सावरकर कॉलेज का भवन भी शामिल है। दिल्ली के एलजी विनय कुमार सक्सेना, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, मंत्री तोखन साहू आदि नेता मंच पर मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ने कहा, साल 2025 भारत के विकास के लिए अनेक नई संभावना लेकर आ रहा है। दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बनने की तरफ हमारी आशा इस वर्ष और तेज होने वाली है। आज भारत दुनिया में राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता का प्रतीक बना है। साल 2025 में भारत की यह भूमिका और सशक्त होगी। यह वर्ष विश्व में भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को और सशक्त करने का वर्ष होगा। ये वर्ष भारत को दुनिया का बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने का वर्ष होगा। युवाओं को नए स्टार्टअप और एंटरप्रेन्योरशिप में तेजी से आगे बढ़ाने का वर्ष होगा। कृषि क्षेत्र में नए कीर्तिमानों का वर्ष होगा। विमेन लेड डेवलपमेंट का वर्ष होगा।

कालेज के नाम को लेकर पीएम को पत्र लिखा

कांग्रेस ने कॉलेज का नाम सावरकर होने पर आपत्ति जताई है। कांग्रेस की स्टूडेंट विंग ने कहा- ये बहुत अच्छी बात है कि 2025 में एक नया कॉलेज कैंपस बनने जा रहा है। लेकिन मेरी प्रधानमंत्री जी से अपील है कि इस कॉलेज का नाम सावरकर की जगह डॉ. मनमोहन सिंह जी के नाम पर रखना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने भोपाल में किया राष्ट्रीय बाल कांग्रेस का शुभारम्भ

कला उत्सवः हिमाचली, कश्मीरी, लद्दाख और अन्य जनजातीय क्षेत्रों की थीम पर छात्रों ने किया प्रदर्शन

भारत में कला-संस्कृति का इतिहास बहुत समृद्धः सीएम मोहन यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने कहा है कि यह एक सुखद सहयोग है कि प्रधानमंत्री ने 2015 में कला उत्सव प्रारंभ करवाने का निर्णय लिया, जिससे स्कूली छात्रों की कला को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है। उन्होंने भारतीय कला और संस्कृति की महिमा को साझा करते हुए कहा कि भारत देश का इतिहास बहुत समृद्ध है, और इस देश में मृत्यु के बाद को शांत होना कहा जाता है, जो हमारी संस्कृति और आस्था को दर्शाता है।

श्यामला हिल्स स्थित क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान में राष्ट्रीय स्तर का कला उत्सव आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री मोहन यादव, विधायक भगवान दास सबनानी, मेयर मालती राय, शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह और एनसीईआरटी के डायरेक्टर दिनेश प्रसाद सकलानी मौजूद रहे। कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से छात्रों ने अपनी कलात्मक प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान हिमाचली, कश्मीरी, लद्दाख और कई अन्य जनजातीय क्षेत्रों की थीम पर छात्रों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गीत शुभ स्वागतम से हुई।

मुख्यमंत्री ने गुरूकूल पद्धति का भी उल्लेख किया, जिसमें कला और विद्या को एक साथ देखा जाता था। उन्होंने भगवान कृष्ण के जीवन से जुड़ी कई कलाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि बांसुरी वादन, विराट

स्वरूप और योग विद्या जैसी कलाएं भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग हैं।

मुख्यमंत्री ने इस कला उत्सव को एक मंच बताया, जहां सभी प्रकार की कलाओं को एक साथ जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उनका मानना था कि इस कला उत्सव के माध्यम से छात्रों को अपनी संस्कृति और कला से जुड़ने का अद्भुत अवसर मिल रहा है। प्रोफेसर ज्योत्सना तिवारी ने बताया कि इस बार पारंपरिक कहानी वाचन जैसी विद्या को भी जोड़ा गया है। कार्यक्रम में 30 सब कैटेगिरी हैं। रिजल्ट 5 जनवरी को घोषित होगा और समापन 6 जनवरी को सम्मान कार्यक्रम के साथ होगा। एनसीईआरटी के डायरेक्टर प्रोफेसर दिनेश प्रसाद सकलानी ने कहा कि जो पुस्तकें बन रही हैं, उनमें भारतीयता की विशेषता होगी।

मुख्यमंत्री ने किया 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ

6 देशों के 700 से अधिक बाल वैज्ञानिक शामिल हुए

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज भोपाल में 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ किया। जिसके बाद उन्होंने बाल वैज्ञानिक द्वारा बनाए मॉडल भी देखकर सराहना की। यह 4 दिवसीय आयोजन 3 से 6 जनवरी तक चलेगा, जिसमें भारत

के विभिन्न राज्यों से 700 से अधिक बाल वैज्ञानिक, शिक्षक और मेंटर्स भाग ले रहे हैं। इसके अलावा बहरीन, यूएइ, कुवैत, ओमान और सऊदी अरब से भी बाल वैज्ञानिक अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

इस वर्ष का मुख्य विषय स्वास्थ्य और कल्याण के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को समझना है। यह कार्यक्रम बच्चों में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने और उन्हें समाज की समस्याओं के समाधान में नवाचार का उपयोग करने के लिए प्रेरित करेगा। कार्यक्रम के दौरान चंद्रयान मिशन, रोबोटिक्स, हाईड्रोपोनिक्स, वॉटर रॉकेटरी, पर्यावरण पर आधारित प्रदर्शनी और लोक गीत जैसे कई आकर्षक आयोजन होंगे। प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. चेतन सोलंकी, डॉ. नंद कुमार और डॉ. चैतन्य पूरी बच्चों के साथ संवाद करेंगे।

मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने राजकोषीय घाटे पर अंकुश लगाने के लिए सब्सिडी की समीक्षा की वकालत की

नई दिल्ली। सरकार के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य पर, योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष मोंटेक सिंह अहलूवालिया कहते हैं, राजकोषीय घाटे को कम करने के केवल दो तरीके हैं - एक करों का अधिक एहसास करना और दूसरा खर्च कम करना... कई व्यय जो बहुत महत्वपूर्ण हैं और कम नहीं किए जा सकते हैं और कुछ जो कम महत्वपूर्ण हैं जैसे मुफ्त सुविधाएं। अधिकांश मुफ्त सुविधाएं उचित हैं, लेकिन उनमें से कुछ सब्सिडी उचित हैं। निजीकरण से बहुत अधिक राजस्व प्राप्त होगा हम इसमें बहुत कुछ करना चाहिए... हमें यह सवाल पूछना होगा कि यदि अन्य देश राजकोषीय घाटे का प्रबंधन कर रहे हैं, जो हमारा आधा है, तो वे कैसे प्रबंधन कर रहे हैं?

बिहार में बीपीएससी कैंडिडेट्स प्रदर्शन, पप्पू यादव समर्थकों ने ट्रेन रोकी

पटना। बिहार की राजधानी पटना में बीपीएससी कैंडिडेट्स धरना दे रहे हैं। कैंडिडेट्स की मांग है कि 70वीं प्रारंभिक परीक्षा रद्द की जाए। इसके अलावा लाठीचार्ज के दोषियों को सजा देने और मृतक बीपीएससी छात्र सोनू को 5 करोड़ रुपए की मुआवजा देने की मांग की है। कैंडिडेट्स के समर्थन में पप्पू यादव ने आज बिहार बंद बुलाया है। जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर कैंडिडेट्स के समर्थन में गुरुवार शाम से आमरण अनशन पर बैठे हैं। इंडिया अलायंस के छात्र संगठन सीएम हाउस का घेराव करेंगे। राजद नेता और विपक्ष के लीडर तेजस्वी यादव ने भी छात्रों को समर्थन दिया है। पप्पू यादव और उनके समर्थकों ने पैसेंजर ट्रेनें रोकीं। पप्पू यादव भी सचिवालय हाल्ट रेलवे स्टेशन पहुंचे। यहां एक और ट्रेन को रोका गया। पुलिस ने सभी को ट्रैक से हटा दिया है। कार्यकर्ताओं ने मधेपुरा में पैसेंजर ट्रेन को रोका है।

कप्तान रोहित ने सिडनी टेस्ट से खुद को बाहर किया

नई दिल्ली। गुरुवार को दिनभर चली मीडिया रिपोर्ट्स को सिडनी टेस्ट में हुए टॉस ने सही साबित कर दिया। जसप्रीत बुमराह ब्लेजर पहनकर भारत से टॉस कराने पहुंचे। यानी कप्तान रोहित शर्मा ने खुद को ड्रॉप कर दिया, वह पांचवां टेस्ट नहीं खेल रहे। उनकी जगह शुभमन गिल को मौका मिला। रोहित का खुद को ड्रॉप करना टीम इंडिया को कितना फायदा पहुंचाएगा; यह तो टेस्ट मैच खत्म होने के बाद ही पता चलेगा, लेकिन क्रिकेट इतिहास में ऐसा कई बार देखने को मिल चुका है, जब कप्तान ने बीच सीरीज या टूर्नामेंट में खुद को ड्रॉप कर लिया हो।

दिल्ली में घना कोहरा, 202 फ्लाइट्स लेट, हिमाचल में बर्फबारी से पारा माइनस 14° पहुंचा

नई दिल्ली। देश के उत्तरी राज्यों में कड़ाके की ठंड का असर बना हुआ है। इसकी वजह से सैकड़ों फ्लाइट्स और ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुक्रवार को घने कोहरे की वजह से 202 फ्लाइट्स लेट हुईं। दिल्ली और आगरा से खुलने वाली कई ट्रेनें देर से खुलीं।

14 राज्यों में घने कोहरे का असर है। पंजाब के अमृतसर में जीरो विजिबिलिटी के कारण एयरपोर्ट बंद कर दिया गया। यहां फ्लाइट्स के ऑपरेशन रोक दिए गए हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में भी विजिबिलिटी और बर्फबारी की वजह से फ्लाइट्स ऑपरेशन बंद कर दिया गया है।

उत्तर प्रदेश के नोएडा में शीतलहर के कारण आठवीं तक के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। बिहार की राजधानी पटना में भी ठंड के कारण सभी स्कूलों और सभी क्लास की टाइमिंग बदल दी गई है। इसे 6 जनवरी तक सुबह 9 बजे से 4 बजे तक की गई है। पहाड़ों पर भी बर्फबारी और ठंड बढ़ गई है। हिमाचल प्रदेश मे बर्फबारी के बाद से प्रदेश के 5 क्षेत्रों का पारा माइनस में पहुंच गया है। ताबो का न्यूनतम तापमान -14.7 डिग्री, समदो का -9.3 डिग्री, कुकुमसैरी -6.9 डिग्री, कल्पा का -2 और मनाली का 2.8 डिग्री दर्ज किया गया।

स्पाइसजेट ने कहा कि खराब मौसम के कारण अमृतसर और गुवाहाटी आने और जाने वाली सभी उड़ानें प्रभावित हैं। वहीं, इंडिगो ने दिल्ली, अमृतसर, लखनऊ, बेंगलुरु और गुवाहाटी रूट पर ट्रैवल करने वाले पैसेंजर्स के लिए एडवाइजरी जारी की है। स्पाइसजेट और इंडिगो ने अपनी-अपनी एडवाइजरी में कहा है कि पैसेंजर्स अपनी फ्लाइट से पहले टेक ऑफ का अनुमानित टाइम जरूर देख ले। एयरलाइंस ने कहा कि धुंध नहीं छटी तो फ्लाइट्स रद्द भी हो सकती हैं।

शहीद भवन में चल रहे रंगकृति उत्सव में हास्य नाटक गुलदस्ता ने बिखेरी मुस्कान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

शहीद भवन में रंगकृति नाट्य संस्था द्वारा संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से आयोजित दो दिसवीय रंगकृति उत्सव में गुरुवार स्वाभिमान शिक्षण समिति की प्रस्तुति हास्य व्यंग्य नाटक गुलदस्ता ने दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी। वसीम खान द्वारा लिखित और निर्देशित इस नाटक ने समाज की कुरीतियों पर व्यंग्य करते हुए हास्य का ऐसा रंग बिखेरा कि दर्शक तालियों की गड़गड़ाहट से थम नहीं पाए। नाटक में सभी पात्रों के नाम फूलों पर रखे गए हैं। - गुलाब बाबा के वेश में गांव में आता हैनाटक गुलदस्ता एक गांव की कहानी है। जहां सभी लोगों के नाम फूल पर होते है। लेकिन सभी लोग बहुत बदतमीजी होते हैं। इसी बीच गुलाब नाम के एक आदमी विचार करता है कि कब सब लोग एक साथ रहेंगे और अच्छे से एक-दूसरे से बात करेंगे। इसी बीच गुलाब बाबा के वेश में गांव में आता है और गांव वालों से कहता है कि गांव में भूकंप आने वाले है। इससे बचने के लिए सभी का साथ रहना होगा और 40 दिनों तक मुस्कुराते रहना होगा। यह बाद सुनकर गांव वाले 40 दिन तक हंसते रहने की तपस्या करते हैं। इस दौरान किसी को कोई भी तकलीफ होती है तो भी लोग मुस्कुराते हैं। इसी बीच बाबा की गुलाब की पोल खुल जाती है, लेकिन गांव वालों को मुस्कुराते रहने में माजा आने लगाता है। सभी एक साथ मिल-जुलकर रहने लगते हैं।इन कलाकारों की भागीदारी रही। डायमंड अमन सोनी,शामिर अली,सपना पवार, करनदीप मट्ठू ,किशोर कुशवाह,आसिफ खान, शिवेंदु बनेरिया,मोहसिन अली, आदित्य कुमार सिंह,सामायेरा पवार, गौहर अली।

मंच पर मंच व्यवस्थापक, करनदीप मट्ठू मंच निर्माण,गौहर अली वस्त्र विन्यास ,सपना पवार प्रकाश परिकल्पना,तनवीर अहमद संगीत नियंत्रण, प्रशांत साहा रूप सज्जा ,सपना पवार मंच सामग्री, शामिर अली, आसिफ खान रहे।

निरंकार को हर कार्य में सम्मिलित कर आध्यात्मिक जागृति और सच्ची खुशी का विस्तार संभव: माता सुदीक्षा

भोपाल जोन की सभी ब्रांचों में भी सम्पन्न हुआ विशेष सत्संग

संत हिरदाराम नगर। सतगुरू माता सुदीक्षा महाराज के पावन आशीर्वाद से भोपाल जोन 24 ए की सभी ब्रांचों में नववर्ष के शुभ अवसर पर बुधवार को विशेष सत्संग आयोजित किए गए। निरंकार को हर कार्य में सम्मिलित कर आध्यात्मिक जागृति और सच्ची खुशी का विस्तार संभव है।

यह प्रेरणादायक वचन निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज द्वारा नववर्ष के शुभ अवसर पर निरंकारी चौक, बुराड़ी रोड में आयोजित विशेष सत्संग समारोह में व्यक्त किए गए। सभी भक्तों ने नव वर्ष के प्रथम दिन सतगुरु माता एवं निरंकारी राजपिता के पावन सान्निध्य में उनके दिव्य दर्शन और प्रेरणादायक प्रवचनों से आत्मिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा का

सुखद आनंद प्राप्त किया। सतगुरु माता ने अपने सम्बोधन में कहा कि नववर्ष केवल 2024 से 2025 का नम्बर परिवर्तन है। वास्तविकता में यह केवल इंसानी मस्तिष्क की बनाई गई अवधारणा है। निरंकार ने समय और सृष्टि को बनाया है, जिसमें अलग-अलग ग्रहों पर समय की अलग अवधारणा होती है इसलिए, नये वर्ष का अर्थ है हर क्षण को सार्थक बनाना। सच्ची खुशी और आनंद केवल निरंकार में समाहित है। इस नये वर्ष में हमें अपने जीवन को ऐसा बनाना है कि हम हर व्यक्ति तक इस सच्चाई को पहुंचा सकें। हमें अपने जीवन को इस तरह ढालना है कि हर पल, हर कार्य में निरंकार की महत्ता को समझ सकें। सेवा, सुमिरण और संगत का वास्तविक अर्थ तभी प्रकट होगा, जब हम इसे दिल से अपनाएंगे। राजपिता ने सभी संतों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज के समय में समाज और मानव जीवन से परमात्मा की उड़ीक (जिज्ञासा) धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। लोग परमात्मा के अस्तित्व पर संदेह कर रहे हैं और सत्य की राह देखने के बजाय उसे नकारने में लगे हैं। यह स्थिति केवल इसलिए है क्योंकि कई लोग परमात्मा को पाने का दावा करते हैं, लेकिन सच्चे प्रयास नहीं करते।

विशाल भंडारे के साथ में राम कथा का समापन आज

भोपाल। श्री वैभव मैरेज गार्डन नयापुरा कोलार में 30 दिसंबर से चल रही रामकथा का समापन आज विशाल भंडारे के साथ हो रहा है। दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक कथा वाचक व्यास पं. मानस पीयूस कपिल शर्मा महाराज यहा कथा सुनाएंगे इसके बाद भंडारा शुरू होगा। कथा का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ 30 दिसम्बर को हुआ था। आयोजन विश्वनाथ मीना एवं विक्रम मीना ने बताया कि विशाल भंडारे के साथ में कथा का समापन होगा

डुग्गू एजुकेशन वेलफेयर सोसायटी स्थापना दिवस पर कंबल वितरित किए

भोपाल। डुग्गू एजुकेशन हैंड वेलफेयर सोसाइटी के छठवें स्थापना दिवस पर 1 जनवरी 2025 को रात्रि 8:00 बजे से पूरे भोपाल में में जो फुटपाथ और सड़क के किनारे सो रहे जरूरतमंद को कंबल वितरण किए गएडुग्गू एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी के छठवें स्थापना दिवस पर 1 जनवरी 2025 को रात्रि 8:00 बजे से पूरे भोपाल (एमपी नगर डीपो चौराहा जवाहर चौक 1100 क्वार्टर रेलवे स्टेशन और लाल परेड ग्राउंड आईएसबीटी नेहरू नगर कोलार आदि) में में जो फुटपाथ और सड़क के किनारे सो रहे जरूरतमंद को कंबल वितरण किए गए । इस अवसर पर संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर विकास यादव ने मीडिया से चर्चा के दौरान बताया कि कड़कती ठंड को देखते हुए संस्था ने यह पहल की हैं कोई भी ठंडी से परेशान नहीं होगा निरंतर हमारा प्रयास रहेगा की भोपाल ही नहीं आगे यह पहल पूरे मध्य प्रदेश

में हमारी संस्था द्वारा की जाएगी और मुझे आशा है कि इस सराहनीय कार्य के लिए मैं अपनी पूरी टीम को ऐसे कार्य के लिए हमेशा ही प्रेषित करता रहा हूं और आगे भी हम इस प्रकार के कार्य करेंगे।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने शक्ति दीदी के रूप में जिला प्रशासन की पहल

शहर के पेट्रोल पंपों पर फ्यूल डिलेवरी वर्कर की भूमिका निभाएंगी शक्ति दीदी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में ग्वालियर जिले में शक्ति दीदी के नाम से जिला प्रशासन द्वारा यह प्रेरणादायी पहल की गई है। जिन महिलाओं को शक्ति दीदी के रूप में फ्यूल वर्कर के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराया गया है, वे ऐसी महिलायें हैं जो अपनों द्वारा उपेक्षित हैं अथवा जिनके पति का असमय निधन हो चुका है। पेट्रोल पंप संचालकों ने इस सराहनीय पहल में सहयोग करने का भरोसा दिलाया और कहा कि वे अपने पेट्रोल पंपों पर शक्ति दीदी के रूप में अन्य जरूरतमंद महिलाओं को भी रोजगार देंगे। ग्वालियर शहर के पाँच व्यस्ततम पेट्रोल पंपों पर नए साल के दूसरे दिन गुरुवार को पाँच महिलाओं ने 'शक्ति दीदी' के रूप में फ्यूल डिलेवरी वर्कर का मोर्चा संभाला। ग्वालियर के पड़ाव आरओबी के समीप स्थित वैश्य एण्ड मुखर्जी पेट्रोल पंप पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार ने जयश्री हालदार को शक्ति दीदी की जिम्मेदारी सौंपी। इसी तरह संस्कृति पेट्रोल पंप न्यू कलेक्ट्रेट पर अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार ने श्रीमती रानी शाक्य, दर्शन फ्यूल स्टेशन पिंटो पार्क पर अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने श्रीमती प्रीति माझी एवं सांई राम पेट्रोल पंप चेतकपुरी पर एडीएम श्री टी.एन. सिंह ने श्रीमती निशा परिहार का स्वागत कर उन्हें शक्ति दीदी का दायित्व सौंपा। महिला फ्यूल वर्कर के रूप में तैनात शक्ति दीदी की ड्यूटी की अवधि प्रातः 9 बजे से सायंकाल 5 बजे तक रहेगी।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने सुविधा पेट्रोल पंप की शक्ति दीदी मीना जाटव का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करें। जिला प्रशासन सहयोग के लिये सदैव तत्पर रहेगा। साथ ही पुलिस के सहयोग से आपकी सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जायेगा। उन्होंने इस अवसर पर शहरवासियों का आह्वान किया कि वे पेट्रोल पंपों पर अपने वाहन में तेल भरवाते समय फ्यूल वर्कर की भूमिका निभा रही शक्ति दीदी का सम्मान और हौसला अफजाई करें, जिससे उनका मनोबल बढ़े।

दिव्यांगजन को चिन्हित करने विशेष शिविरों का आयोजन 7 से 13 जनवरी तक होगा

भोपाल। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा भोपाल शहर के दिव्यांगों के चिन्हांकन, परीक्षण और कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने के लिए विशेष शिविर 7 जनवरी से 13 जनवरी 2025 तक आयोजित किये जायेंगे। आयुक्त सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण डॉ. आर.आर. भोसले ने बताया कि एडीआईपी योजना के तहत इन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। भोपाल में 7 जनवरी को भेल दशहरा मैदान में, 8 जनवरी को सेंट्रल लाइब्रेरी ग्राउंड वार्ड-19 और बाजपेई नगर योगा सेंटर, वार्ड-10 में 9 जनवरी को जोन कार्यालय जोन-21 में, 10 जनवरी को अशोका गार्डन दशहरा मैदान में, 11 जनवरी को कार्यालय प्रांगण कोलार वार्ड 82 तथा 13 जनवरी को अन्य निर्धारित स्थानों पर शिविर लगाये जायेंगे।

वायु गुणवत्ता को प्रभावित करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई

भोपाल। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन द्वारा सीएंडडी वेस्ट, भवन निर्माण सामग्री सड़कों पर फैलाने तथा निर्माणाधीन भवनों पर ग्रीन नेट न लगाकर वायु गुणवत्ता एवं शहर की स्वच्छता को प्रभावित करने वालों के विरूद्ध अभियान के तहत सख्त कार्यवाही करने के दिए गए निर्देशों के परिपालन में निगम अमले ने विभिन्न क्षेत्रों में सीएंडडी वेस्ट, भवन निर्माण सामग्री, सड़कों सार्वजनिक स्थलों पर फैलाने तथा निर्माणाधीन भवन पर ग्रीन नेट न लगाने वालों सहित साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की और सी.एण्ड.डी वेस्ट फैलाने वालों के विरूद्ध 17 प्रकरणों में 13 हजार 300 रूपये की राशि स्पॉट फाईन/जुर्माने के रूप में वसूल की। निगम अमले ने कुल 328 प्रकरणों में 76 हजार 308 रुपये की राशि स्पॉट फाईन/जुर्माने के रूप में वसूल की। निगम प्रशासन ने भवन निर्माताओं से अपील की है कि वह भवन निर्माण के समय ग्रीन नेट का पूरी तरह उपयोग करें और शहर के वायु गुणवत्ता में सुधार हेतु सहयोग करें अन्यथा निगम प्रशासन द्वारा निरंतर सख्त कार्यवाही की जायेगी। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने गुरूवार को विभिन्न जोन क्षेत्रों में सीएंडडी वेस्ट व भवन निर्माण सामग्री सड़कों, सार्वजनिक स्थलों पर फैलाने वालों तथा निर्माणाधीन भवनों पर ग्रीन नेट न लगाने वालों के विरूद्ध अभियान के तहत कार्यवाही की। निगम के जोन क्रमांक 13 के अमले ने 02 प्रकरणों में 05 हजार 500 रूपये, जोन क्रमांक 08 के अमले ने 03 प्रकरणों में 04 हजार रूपये, जोन क्रमांक 14 में 04 प्रकरणों में 04 हजार रूपये स्पॉट फाईन किया।

प्रदेश के कपिल परमार और रुबीना फ्रांसिस को अर्जुन अवार्ड, मंत्री सारंग ने दी बधाई

भोपाल। मध्यप्रदेश के दो पैरालंपिक खिलाड़ी सुश्री रूबीना फ्रांसिस और श्री कपिल परमार ने प्रदेश का नाम रोशन किया है। दोनों खिलाड़ियों को भारत के प्रतिष्ठित खेल पुरस्कार अर्जुन अवार्ड'' से सम्मानित किया जायेगा। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने इस बड़ी उपलब्धि पर दोनों खिलाड़ियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया है। दोनों खिलाड़ियों की लगन, मेहनत और समर्पण ने उन्हें इस राष्ट्रीय पुरस्कार को हासिल करने के काबिल बनाया है। श्री सारंग ने कहा कि उनकी यह उपलब्धि हमारे अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक रहेगी। उल्लेखनीय है कि रुबीना जबलपुर की रहने वाली है और कई साल से एमपी शूटिंग एकेडमी भोपाल में ट्रेनिंग ले रही हैं, वहीं कपिल परमार सीहोर के रहने वाले हैं। दोनों खिलाड़ी पेरिस पैरालंपिक 2024 के मेडलिस्ट हैं। कपिल परमार ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में 5 सितंबर 2024 को मेंस के -60 किग्रा छ्1 वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इसी के साथ वे जूडो में पैरालंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए। पेरिस पैरालंपिक 2024 में रुबिना ने 10 मीटर एयर पिस्टल स॥1 इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। रुबिना एमपी की पहली खिलाड़ी हैं जिन्होंने पैरालंपिक में पदक हासिल किया है।

राष्ट्रपति 17 जनवरी को पुरस्कार प्रदान करेंगी

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने आज राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2024 की घोषणा की। राष्ट्रपति पुरस्कार विजेताओं को 17 जनवरी, 2025 सुबह 11 बजे राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में पुरस्कार प्रदान करेंगी।

उल्लेखनीय है कि समिति की सिफारिशों के आधार पर और उचित जांच के बाद, सरकार ने विभिन्न खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, विश्वविद्यालय और संस्थाओं को पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया है। %खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अर्जुन पुरस्कार% पिछले चार वर्षों की अवधि में अच्छे प्रदर्शन तथा नेतृत्व, खेल कौशल और अनुशासन की भावना दिखाने के लिए दिया जाता है।

अर्जुन अवार्ड के लिए आवेदन ऑनलाइन आमंत्रित किए गए थे और खिलाड़ियों/प्रशिक्षकों/ संस्थाओं को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं आवेदन करने की अनुमति दी गई थी। इस वर्ष इन पुरस्कारों के लिए बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) वी. रामसुब्रमण्यम की अध्यक्षता वाली चयन समिति द्वारा विचार किया गया और इसमें प्रख्यात खिलाड़ी, खेल पत्रकारिता में अनुभव रखने वाले गणमान्य व्यक्ति और खेल प्रशासक शामिल थे।

108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ मंडीदीप में यज्ञ से होने वाले लाभों को वैज्ञानिक आधार पर जांचा जाएगा

भोपाल। मंडीदीप के सतलापुर दशहरा मैदान मंडीदीप के यज्ञ स्थल पर जहां एक ओर कुंड निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ वहीं दूसरी ओर अखिल विश्व गायत्री परिवार के शांतिकुंज प्रतिनिधि राष्ट्रीय युवा संयोजक केपी दुबे, जोन मप्र के प्रभारी राजेश पटेल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विपिन भार्गव, बद्रीपाल चौहान, ओपी गोस्वामी ने पत्रकारवार्ता कर आयोजन की जानकारी दी।

केपी दुबे ने बताया कि शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में पूरे देश में 24 कुण्डीय 51 कुण्डीय एवं 108 तथा 251 कुण्डीय महायज्ञ के 400 कार्यक्रम स्वीकृत कर सम्पन्न कराये जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि धरती पर बढ़ रहे वैचारिक एवं वायुमंडल के

प्रदूषण को दूर करने के लिए शांतिकुंज हरिद्वार ने महाअभियान युगऋषि परम पूज्य गुरुदेव श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा बताये मार्ग अनुसार चलाया जारहा है और इस अभियान में श्रेष्ठ आत्माओं की हिस्सेदारी निरंतर बढ़ रही है. इस महायज्ञ में युवाओं की भागीदारी एवं रचनात्मक अभियानों ,पर्यावरण हरितिमा संवर्धन, व्यसन मुक्ति अभियान एवं जल संरक्षण संवर्धन अभियान पर मार्गदर्शन एवं संकल्प कराए जाएंगे।

राजेश पटेल जोन प्रभारी एवं डॉ. संध्या पाण्डेय ने संयुक्त रूप से बताया कि यज्ञ की ऊर्जा से मानव स्वाभाव के शारीरिक और मानसिक आधि व्याधि में होने वाली कमी को वैज्ञानिक स्तर पर जाँचा जाएगा.यज्ञ के समय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ संयुक्त रूप से वैज्ञानिक वायुमंडल के प्रदूषण में होने वाली कमी को जांचेगे. इस अवसर पर नगर के गणमान्य पत्रकारों द्वारा यज्ञ में आमजन की भागीदारी आदि के बारे में चाही गई जानकारी को गायत्री परिवार के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने विस्तार से बताया. यज्ञशाला का लेआउट इंदौर से पधारे कोमल प्रसाद के निर्देशन में साथ यज्ञशाला प्रभारी विनोद गुप्ता,श्री ओपी विश्वकर्मा, सुरेश श्रीवास्तव, रमेश नागर, हरीश केथूनिया आदि की टीम ने किया। आभार प्रदर्शन शिवनारायण राजपूत एवं महायज्ञ आयोजन समिति के संयोजक धीरज मनी द्वारा किया गया।

जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र में जरूरी विकास कार्य प्राथमिकता से कराएं: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विकास कार्यों को पूरा कराने में करें सहयोग

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की नर्मदापुरम संभाग के विकास कार्यों की समीक्षा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सुशासन के जरिए लोक कल्याण ही सरकार का मूल ध्येय है। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि हमारे प्रयासों का अधिकतम लाभ जनता को ही मिले। राज्य सरकार इसी दिशा में आगे बढ़ रही है। जनता के कल्याण के लिए हम दिन-रात काम करेंगे। सरकार इस काम से कभी पीछे नहीं हटेगी। हम अपनी ऊर्जा का अधिकतम उपयोग जनकल्याण के लिए करेंगे। जनता की शत-प्रतिशत संतुष्टि ही हमारा पुण्य फल और पारितोषिक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को नर्मदापुरम संभाग में चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र में विकास कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराने में सरकार को समुचित सहयोग भी करें। मुख्यमंत्री निवास में हुई बैठक में राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, वरिष्ठ विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा, विधायक श्री चंद्रशेखर देशमुख, विधायक श्री विजय पाल सिंह सहित अन्य क्षेत्रीय विधायकों एवं जनप्रतिनिधियों ने बैठक में वर्चुअली सहभागिता की। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव श्री एस.एन, मिश्रा, अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव श्री अनुपम राजन, प्रमुख सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी, प्रमुख सचिव श्री संजय शुक्ल, प्रमुख सचिव श्रीमती रश्मि अरूण शमी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

जनहित के कार्यों में विशेष रूचि लें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनप्रतिनिधियों से कहा कि वे जनता से जुड़े कार्यों को पूरा कराने में विशेष रूचि लें। सुशासन के जरिए ही जनता का सरकार पर भरोसा कायम रहता है। हम अपने क्षेत्र में सुशासन के जरिए जनकल्याण के लक्ष्य को प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि सभी विधायक अपने संभाग के प्रभारी अपर मुख्य सचिव को अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र के 5-5 प्रमुख बड़े निर्माण कार्यों सहित अन्य प्रस्ताव लिखित में दें। सरकार सभी निर्माण कार्यों को समय पर पूरा कराएगी और प्रस्तावों पर समुचित निर्णय लेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नर्मदापुरम संभाग क्षेत्र के विधायकों से गत 11 दिसम्बर 2024 से चल रहे जनकल्याण अभियान के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि यह जनता के कल्याण का अभियान है, जो जनप्रतिनिधियों की सहभागिता के बगैर पूरा नहीं हो सकता। जनप्रतिनिधि जनता के बीच जाएं और उनसे अभियान के उद्देश्यों और लक्ष्यों के बारे में व्यक्तिश- जानकारी लें। प्रयास करें कि सभी पात्र हितग्राहियों को अभियान का लाभ मिले। यदि किसी समस्या के कारण हितग्राही को हितलाभ देने में कठिनाई आ रही है, तो कलेक्टर, कमिश्नर या शासन स्तर से मार्गदर्शन लेकर उसका निराकरण कराएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन विधायकों ने अब तक अपनी विधानसभा क्षेत्र का विजन डाक्यूमेंट (विकास का रोडमैप) तैयार नहीं किया है, वे जल्द से जल्द डाक्यूमेंट तैयार कर उन्हें (मुख्यमंत्री सचिवालय को) भेज दें। सरकार प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों के विजन डाक्यूमेंट पर गंभीरता से काम कर रही है। बैठक में वर्चुअली जुड़े जनप्रतिनिधियों ने नर्मदापुरम में गत माह 7 दिसम्बर को सम्पन्न हुई रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव पर हर्ष जताया और मुख्यमंत्री डॉ. यादव का हृदय से आभार माना। नर्मदापुरम के जनप्रतिनिधियों ने कहा कि आगामी नर्मदापुरम प्रवास पर मुख्यमंत्री का नागरिक अभिनंदन किया जाएगा।

विधायकों से वन-टू-वन चर्चा

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विधायकों से भी वन-टू-वन चर्चा की। विधायक सोहागपुर ने माखन नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का स्वास्थ्य केन्द्र में उन्नयन कर 50 बिस्तरीय अस्पताल स्वीकृत करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव स्वास्थ्य को मांग अनुरूप शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तहसील बनखेड़ी में शासकीय आईटीआई केन्द्र खोले जाने की मांग पर तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के अधिकारियों को इस पर त्वरित कार्यवाही करने को कहा। सोहागपुर विधायक द्वारा एसडीएम कार्यालय सोहागपुर एवं माखन नगर के साथ अन्य विभागों के नवीन कार्यालय भवन के निर्माण के लिए 10 करोड़ रूपए मंजूर करने की मांग रखी गई। मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव राजस्व को समुचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रीमती शर्मा के स्वास्थ्य का हालचाल जाना

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार शाम भोपाल के नर्मदा अस्पताल पहुंचकर वरिष्ठ नेता शैलेन्द्र शर्मा की माता जी और पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मी नारायण शर्मा की धर्मपत्नी लक्ष्मी देवी शर्मा के स्वास्थ्य का हालचाल जाना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अस्पताल के चिकित्सकों से श्रीमती शर्मा के बेहतर उपचार के संबंध में चर्चा की। उन्होंने श्रीमती शर्मा के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अस्पताल में दाखिल अन्य रोगियों और उनके परिजन से भी चर्चा कर चिकित्सकों को उपचार के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने गुना जिले से चार धाम यात्रा पर गए श्रद्धालुओं में से दुर्घटना में घायल और अस्पताल में भर्ती होकर उपचाररत श्रद्धालु को भी समुचित चिकित्सा सहायता प्रदान करने के निर्देश डॉक्टर्स को दिये।

सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर मप्र पुलिस सख्त

धार्मिक भावनाएं भड़काने वाली पोस्ट पर लाइक-कमेंट किया तो होगी कार्रवाई

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भोपाल में सोशल मीडिया के बढ़ते दुरुपयोग और इससे उपजी वैमनस्यता के मामलों को देखते हुए पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र ने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने स्पष्ट हिदायत दी है कि यदि किसी ने सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओं को भड़काने या सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने वाली पोस्ट की, तो उस पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत सख्त कार्रवाई होगी।

इस सख्त निर्देश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि न केवल आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले, बल्कि उस पर लाइक, कमेंट या उसे फॉरवर्ड करने वाले पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भोपाल पुलिस ने मीडिया और अन्य स्रोतों से प्राप्त जानकारी के आधार पर कहा कि शहर में असामाजिक तत्व सोशल मीडिया का उपयोग कर धार्मिक भावनाओं को भड़काने, सामुदायिक सौहार्द को तोड़ने और वैमनस्य फैलाने का प्रयास कर सकते हैं। पुलिस के अनुसार, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर और इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक संदेश, फोटो, वीडियो या ऑडियो डालने की घटनाएं बढ़ रही हैं। ये पोस्ट कभी-कभी विकृत तस्वीरों और भड़काऊ संदेशों के माध्यम से सामुदायिक शांति को खतरे में डालती हैं।

धार्मिक और सामाजिक भावनाएं भड़काने वाले संदेश: कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर ऐसे संदेश प्रसारित नहीं करेगा, जो धार्मिक, सामाजिक, या जातिगत भावनाओं को भड़काने वाले हों।

भड़काऊ पोस्ट पर प्रतिक्रिया: कोई भी व्यक्ति भड़काऊ पोस्ट पर लाइक, कमेंट, या शेयर नहीं करेगा।

ग्रुप एडमिन की जिम्मेदारी: सोशल मीडिया ग्रुप एडमिन पर जिम्मेदारी होगी कि वह अपने ग्रुप में आपत्तिजनक सामग्री को रोके।

अफवाह फैलाने पर रोक: भ्रामक और झूठी जानकारी या तथ्य तोड़-मरोड़कर पेश करने वाले संदेशों को प्रसारित करना पूरी तरह से निषिद्ध है।

अवैध गतिविधियों के लिए उकसाना: किसी व्यक्ति या समुदाय को गैरकानूनी गतिविधियों के लिए प्रेरित करना अपराध माना जाएगा।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत कार्रवाई: पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इन नियमों का उल्लंघन करने पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। यह धारा लोक शांति भंग करने वाले और सामुदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने वालों के लिए सख्त दंड का प्रावधान करती है।

दो महीने तक लागू रहेगा आदेश: यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और अगले दो महीने तक प्रभावी रहेगा। यदि किसी को इस आदेश से आपत्ति है, तो वह पुलिस कमिश्नर की कोर्ट में आवेदन कर सकता है। भोपाल पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से उपयोग करें। भ्रामक या भड़काऊ सामग्री से बचें और समाज में सौहार्द बनाए रखने में सहयोग करें।

जनता की शंकाओं को दूर कर सावधानी पूर्वक किया जायेगा कचरे का विनिष्टीकरण: मुख्यमंत्री

यूनियन कार्बाइड कचरे के विनिष्टीकरण का वर्ष 2015 में किया जा चुका है ट्रायल रन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि यूनियन कार्बाइड के कचरे के विनिष्टीकरण के लिये सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार कार्रवाई की जा रही है। कचरे का निष्पादन जनता की शंकाओं को दूर कर सावधानी पूर्वक किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जनता के सरोकार प्राथमिकता में सबसे ऊपर है, कचरे के विनिष्टीकरण की कार्रवाई सतत् निगरानी में की जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हादसे के 40 वर्ष बीतने के बाद भोपाल में रखा लगभग 337 मीट्रिक टन कचरे का हानिकारक प्रभाव खत्म हो गया है। उन्होंने बताया कि बचे हुए शेष कचरे में 60 प्रतिशत से अधिक केवल स्थानीय मिट्टी, 40 प्रतिशत में 7-नेपथॉल, रिएक्टर रेसिड्यूज और सेमी प्रोसेस्ड पेस्टीसाइड्स का अपशिष्ट है। इसमें मौजूद 7-नेपथॉल रेसीड्यूस मूलत: मिथाइल आइसो साइनेट एवं कीटनाशकों के बनने की प्रक्रिया का सह-उत्पाद होता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इसका विषैला प्रभाव 25 साल में लगभग समाप्त हो जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास में मीडिया से चर्चा में ये बातें कहीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि कचरे के निपटान की प्रक्रिया का केन्द्र सरकार की विभिन्न संस्थाओं जैसे- नीरी (नेशनल इन्वॉयरमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट), नागपुर, नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीटयूट हैदराबाद, इंडीयन इंस्टीट्यूट ऑफ केमीकल टेक्नोलॉजी तथा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा समय-समय पर गहन परीक्षण किया गया है। उनके अध्ययन तथा सर्वोच्च न्यायालय को प्रस्तुत प्रतिवेदनों के आधार पर भारत सरकार के पर्यावरण मंत्रालय को मार्च, 2013 में दिये गये निर्देशानुसार केरल कोच्चि स्थित हिंदुस्तान इनसेक्टीसाइड लिमिटेड के 10 टन यूनियन कार्बाइड के समान कचरे का परिवहन कर पीथमपुर स्थित ञ्चस्थ्स्न में ट्रायल रन केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की निगरानी में किया गया। सफल ट्रायल रन का प्रतिवेदन सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि ट्रायल रन के निष्कर्षों के आधार पर सर्वोच्च न्यायालय ने अप्रैल, 2014 में यूसीआईएल के 10 मीट्रिक टन कचरे का एक और ट्रायल रन भारत सरकार, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की निगरानी में टीएसडीएफ पीथमपुर मे किये जाने के निर्देश दिये। सर्वोच्च न्यायालन ने इस ट्रायल रन की वीडियोग्राफी भी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये थे। निर्देशानुसार अगस्त, 2015 में ट्रायल रन के बाद केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रायोगिक निपटान की समस्त रिपोर्ट सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत की गई। रिपोर्ट्स में यह स्पष्ट हुआ कि इस प्रकार के कचरे के निपटान से वातावरण को कोई नुकसान नही हुआ है। उच्चतम न्यायालय ने सभी रिपोर्ट के गहन परीक्षण के पश्चात ही यूसीआईएल के कचरे के निपटान की कार्यवाही को आगे बढ़ाने एवं उन्हें नष्ट करने का निर्देश जारी किया।

कचरे के विनिष्टीकरण की कार्रवाई के संबंध में समय-समय पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये जा रहे निर्देशों के अतिरिक्त मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव ने विस्तृत रूप से तीन बिंदुओं को आधार बनाकर पृथक से जांच कराई। जांच के बिंदु ~ आसपास के गांवों में स्वास्थ्य संबंधी परीक्षण, फसल की उत्पादकता पर प्रभाव और क्षेत्रीय जल स्त्रोतों की गुणवत्ता का परीक्षण थे।

एमपीपीएससी छात्रों के समर्थन में उतरे कमलनाथ और सिंघार

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश में इन दिनों जबरदस्त बवाल मचा हुआ है। 31 दिसंबर की देर रात एमपीपीएससी ने साल 2025 के लिए नोटिफिकेशन जारी किया। जिसमें महज 158 ही पदों के लिए अधिसूचना जारी की गई। इसके बाद छात्रों ने एक बार फिर से आयोग को प्रदर्शन करने के लिए चुनौती दे रहे थे। इसी सिलसिले में पहली जनवरी को ही एनईवाययू के दो सदस्य राधे जाट और रणजीत किसानवंशी को गिरफ्तार कर लिया गया। अब इसी सिलसिले में मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका अदा कर रहे उमंग सिंघार ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को एक लेटर लिखा है जिसमें उन्होंने कहा है कि इन दोनों को जल्द से जल्द सरकार रिहा करे।

उमंग सिंघार ने एक्स पर पत्र को शेयर करते हुए लिखा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव जी मध्यप्रदेश में कई विभागों में पद खाली है। प्रदेश के छात्रों को कुछ पदों की रेवड़ी न दे। मध्य प्रदेश सरकार कुल कितने पद भर सकती है एमपीपीएससी के माध्यम से स्पष्ट करें। प्रदेश के होनहार युवाओ के भविष्य के साथ न खेले। वहीं एक अन्य पोस्ट में सिंघार ने आगे लिखा कि एमपीपीएससी छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहा है, युवाओं से खिलवाड़ मतलब आग से खिलवाड़!

कमलनाथ ने भी बोला हमला

बता दें कि इस पूरे मामले पर कांग्रेस के दिग्गज नेता और प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ ने भी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने अपने अधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने लिखा कि छात्रों को इस तरह से गिरफ्तार कर जेल भेजना सरासर अन्याय है। अपने अधिकारों के लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना हर नागरिक अधिकार है। मैं छात्रों की तुरंत रिहाई की मांग करता हूं। छात्रों को इस तरह से गिरफ्तार कर जेल भेजना सरासर अन्याय है। अपने अधिकारों के लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना हर नागरिक अधिकार है।

गिरफ्तारी पर क्या बोला एनईवाययू ?

वहीं इस पूरे मामले पर एनईवाययू यानी नेशनल एजुकेटेड यूनियन ने कहा कि कल 1 जनवरी को मध्यप्रदेश पुलिस एनईवाययू के राधे और रणजीत को घर से ले गई थी और आज उनको अनेक धाराओं में जेल भेज दिया गया हैढ्ढ उनका यही जुर्म है कि एमपीपीएससी प्रोटेसट का नेतृत्व करते हुए छात्रों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई। यूनियन ने आगे लिखा कि मुख्यमंत्री जी ने खुद बुलाकर आंदोलन खत्म करने का बोलकर मांगें पूरी करने का आश्वासन दिया था। हालांकि, कुछ दिन बाद मांगें पूरी न करके सभी छात्रों के साथ धोखा दिया हमारे साथियों को जेल भेज दिया।

छात्रों की इतनी सामान्य मांगें हैं कि किसी भी सरकार के संज्ञान में आएं तो तुरंत पूरी की जाती है। पर ये मांगें क्यों पूरी करेंगे इनको तो यह दिखाना है कि हम जो भीख में दें वह चुपचाप ले लो। जनता को मांग रखने का कोई अधिकार नहीं हैढ्ढ युवाओं के साथ यह अन्याय,तानाशाही, अत्याचार मध्यप्रदेश में ही नहीं बल्कि पूरे देश में हो रहा है।

नए वर्ष के तीन माह में पश्चिम मप्र में पच्चीस नए ग्रिडों से बिजली

आरडीएसएस के तहत मालवा-निमाड़ के जिलों में सतत मिल रही सौगातें

भोपाल। नए वर्ष 2025 के पहले तीन माह में पश्चिम मप्र के इंदौर सहित मालवा निमाड़ के विभिन्न जिलों में रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत पच्चीस नए ग्रिड तैयार किए जाएंगे। इनसे बिजली वितरण भी प्रारंभ हो जाएगा। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के आदेशानुसार नए ग्रिडों को समय पर तैयार कर आम लोगों को गुणवत्ता से बिजली प्रदाय के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। म.प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर की प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि जनवरी से मार्च-2025 तक तीन माह में 25 नए ग्रिडों को पूर्णत: तैयार कर चार्ज करने के आदेश दिए गए हैं। इन ग्रिडों में इंदौर जिले के गंगा डेम और गारी पिपलिया का 33/11 केवी का ग्रिड शामिल हैं। देवास जिले के शेरगुना और देवला बछाल गांवों में भी नए ग्रिड अगले तीन माह में तैयार हो जाएंगे, और उपभोक्ताओं को फायदा मिलने लगेगा। इसी तरह अन्य जिलों में भी आरडीएसएस के अंतर्गत नए 5 एमवीए क्षमता के नए ग्रिड तैयार हो जाएंगे।

प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि इन 25 ग्रिडों के समय पर तैयार कर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मुख्य अभियंता श्री एसएल करवाड़िया, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एससी वर्मा प्रतिदिन समीक्षा कर रहे हैं, ताकि वित्तीय वर्ष के समापन यानि मार्च अंत तक इन ग्रिडों का शत प्रतिशत कार्य हो जाए। इन नए ग्रिडों को मिलाकर आरडीएसएस के तहत कंपनी क्षेत्र में कुल 80 नए ग्रिड होंगे। आरडीएसएस के तहत दिसंबर अंत तक जो ग्रिड तैयार होकर बिजली आपूर्ति कर रहे हैं। इंदौर शहर एवं इंदौर ग्रामीण क्षेत्र के ईमलीखेड़ा, बड़ियाकीमा बिचौली क्षेत्र, महेश्वर रोड गुलझेरा, राजोदा, सुपर स्पेशलिटी एमवाय के पास, देवास नाका, रसोमा विजय नगर के पास, जीत नगर बिलावली ग्रिड शामिल हैं। प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि इसी तरह अन्य जिले/विद्युत वृत्त के अधीन ग्राम राबड़िया, करोदिया, खूंटखेड़ा, भैसायगढ़ा, बेहलोला, परसोली, रजला, निंवोबडिया खुर्द, खेड़ा पहाड, जीवन खेड़ी, मोहम्मद खेड़ा, राजाखेड़ी, गोदना, गेलाखेड़ा, कमलिया, नायन, बरखेड़ी, कनाडिया, अभिनंदन नगर, पुलिस लाइन मालीखेड़ा, जवासिया, सोयत खुर्द, गुर्जर बर्डिया, अंबा शेरपुर, दशहरा मैदान खातेगांव, अमलानी, मालगांव, सिवल , कुम्हार खेड़ा, बड़ौदा अहिर, सेगवाल, छनेरा, आसिरगढ, सेखेड़ा, तुर्क गुराड़ा, आम्बा, कमोदवाड़ा, सिवई, गेरूबेड़ी, शिवना, जौलाना, कालापाट, सेमलिया, रजला, बावनगजा आदि के 33/11केवी के नए 5 एमवीए क्षमता के ग्रिड पूर्णत: तैयार होकर आमजनों के उपयोग के लिए बिजली प्रदान कर रहे हैं। आरडीएसएस के इन ग्रिडों से कृषि, औद्योगिक, घरेलू, व्यावसायिक सभी क्षेत्रों के विद्युत उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में ज्यादा गुणवत्ता के साथ बिजली मिल रही हैं।

प्रदेश में विद्युत उपलब्ध क्षमता 23788 मेगावॉट हुई

भोपाल। प्रदेश हर बिजली उपभोक्ता को सतत एवं निर्वाध विद्युत आपूर्ति करने के हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश पर्याप्त बिजली उपलब्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में प्रदेश की रिकार्ड विद्युत उपलब्ध क्षमता 23 हजार 788 मेगावॉट है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल मार्गदर्शन में विभाग लगातार उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने के साथ ही उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण भी कर रहा है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि दिसम्बर-2023 से नवंबर-2024 तक कुल 10136 करोड़ यूनिट बिजली दी गई, जो कि विगत वर्ष इस अवधि में प्रदाय की गई बिजली से 1.67 प्रतिशत अधिक है। गत 20 दिसम्बर को इतिहास में आज तक की सर्वाधिक 18913 मेगावॉट बिजली आपूर्ति सफलतापूर्वक की गई। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा ड्रोन की सहायता से लाइनों की पेट्रोलिंग तथा अति उच्च दाव उप केन्द्रों का रिमोट ऑपरेशन किया जा रहा है। प्रदेश के घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को विगत वर्षों की तरह वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये लागू टैरिफ दरों में राहत देने के लिये बिजली कंपनियों को अनुमानित 24 हजार 420 करोड़ 8 लाख रूपये की सब्सिडी देने का निर्णय राज्य शासन द्वारा लिया गया है। यह सब्सिडी अटल गृह ज्योति योजना, अटल कृषि ज्योति योजना, टैरिफ सब्सिडी और निःशुल्क विद्युत प्रदाय योजना में दी जायेगी। अटल गृह ज्योति योजना में दिसम्बर-23 से नवंबर-24 तक लगभग 5482 करोड़ रूपये की, अटल कृषि योजना में 13042 करोड़ रूपये और निःशुल्क विद्युत प्रदाय योजना में 4710 करोड़ रूपये की राहत दी गई है। अटल गृह ज्योति योजना में प्रति माह एक करोड़ से अधिक, अटल कृषि ज्योति योजना में 26 लाख 59 हजार और निःशुल्क विद्युत प्रदाय योजना में 9 लाख 3 हजार कृषि उपभोक्ता प्रति माह लाभान्वित हो रहे हैं। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में अब तक का सर्वाधिक 28627 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन का नया रिकार्ड बनाया गया है। यह पॉवर जनरेटिंग कंपनी के इतिहास का सर्वाधिक ताप विद्युत उत्पादन है। ताप विद्युत गृहों द्वारा विभिन्न मापदंडों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया गया।

मध्यप्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल की विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की

विद्यार्थियों का भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि वर्ष 2024-25 के लिए उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुसार सभी पात्र नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता एवं प्रवेश प्रक्रिया को 15 जनवरी तक पूर्ण किया जाए। साथ ही, जीएनएम, बीएससी नर्सिंग और एमएससी नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया को समयावधि में पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निवास कार्यालय में मध्यप्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल की विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की और कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि कि 31 दिसंबर 2024 से काउंसलिंग की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है, जो 14 जनवरी 2025 को संपन्न की जाएगी। सभी शासकीय एवं अशासकीय नर्सिंग कॉलेजों के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग की व्यवस्था लागू की गयी है। संचालक लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा (नर्सिंग एवं पैरामेडिकल) श्री मनोज सरियाम, रजिस्ट्रार मध्यप्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउसिंग श्री के.के. रावत सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स म्पा द की य

हिटमैन का खुद हट जाना...!

आखिर, गुरुवार को दिनभर टीम इंडिया के कप्तान को लेकर चली चर्चाओं और मीडिया रिपोर्ट्स को सिडनी टेस्ट में हुए टॉस ने सही साबित कर दिया। उपकप्तान जसप्रीत बुमराह आज सुबह ब्लेजर पहनकर भारत से टॉस कराने पहुंचे। कप्तान रोहित शर्मा ने खुद को ड्रॉप कर दिया, वह पांचवां टेस्ट नहीं खेल रहे हैं और उनकी जगह शुभमन गिल को मौका दिया गया।

असल में टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर के व्यवहार को लेकर जहां चर्चाओं का दौर चल निकला है, वहीं उन्होंने जब कल टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम की बातें सार्वजनिक होने पर नाराजगी व्यक्त की, तो लगा कि कुछ होने वाला है। कोच ने गुरुवार को कहा था कि प्लेयर्स और कोच के बीच की बातचीत ड्रेसिंग रूम तक ही सीमित रहनी चाहिए। इसे बाहर नहीं आना चाहिए। गंभीर ने ड्रेसिंग रूम में तनाव की खबरों पर यह कहकर मामला रफा-दफा करने की कोशिश की कि ये केवल रिपोर्ट हैं, इनमें सच्चाई नहीं। लेकिन आज उसकी सच्चाई सामने आ गई।

आज सुबह टॉस के दौरान बुमराह ने रोहित की तारीफ की और कहा कि उन्होंने उदाहरण पेश किया है। कमेंटेटर रवि शास्त्री ने बदलाव के कारण के बारे में नहीं पूछते हुए, ड्रेसिंग रूम का माहौल पूछा। बुमराह ने बताया कि ड्रेसिंग रूम में भावना सकारात्मक है। बुमराह ने टॉस के दौरान कहा, हां टीम के अंदर सभी की अच्छी बातचीत है। हम सकारात्मक भावना रखने की कोशिश कर रहे हैं और बेशक सकारात्मक चीजों को भी ध्यान में रखने की कोशिश कर रहे हैं। जाहिर है, हमारे कप्तान (रोहित शर्मा) ने भी अपनी नेतृत्व कौशल और क्षमता दिखाई है। उन्होंने इस मैच के लिए आराम करने का विकल्प चुना है।

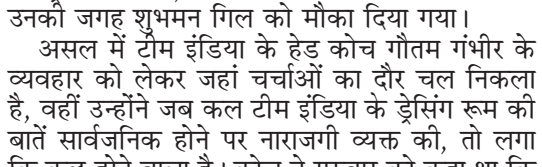

असल में गुरुवार को भारतीय कोच गौतम गंभीर से रोहित शर्मा के सिडनी टेस्ट खेलने पर सवाल किया गया था, लेकिन गंभीर ने सीधा जवाब नहीं दिया। उन्होंने बस इतना कहा- प्लेइंग-11 पिच को देखने के बाद तय की

जाएगी। गंभीर के जवाब के अलावा इस बात के संकेत टीम इंडिया के ट्रेनिंग सेशन में साफ देखने को मिले। मैच से पहले टीम के ट्रेनिंग सेशन में रोहित शर्मा टीम से अलग-थलग दिखे। वे ड्रेसिंग रूम में अकेले बैठे रहे। उन्हें बुमराह से काफी देर तक बातचीत करते देखा गया। रोहित प्रैक्टिस में काफी देरी से आए।

ट्रेनिंग में हेड कोच गौतम गंभीर और चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर टीम के उप कप्तान जसप्रीत बुमराह से बात करते नजर आए। इसके बाद बुमराह ने शुभमन गिल से नेट्स करने के लिए कहा। रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल ने स्लिप में फील्डिंग की प्रैक्टिस की। आमतौर पर मुकाबलों के दौरान रोहित शर्मा को यशस्वी और विराट के साथ स्लिप में फील्डिंग करते देखा जाता है। जहां तक रोहित का खुद को ड्रॉप करने का मामला है तो यह टीम इंडिया को कितना फायदा पहुंचाएगा, यह तो टेस्ट मैच खत्म होने के बाद ही पता चलेगा, लेकिन क्रिकेट इतिहास में ऐसा कई बार देखने को मिल चुका है, जब कप्तान ने बीच सीरीज या टूर्नामेंट में खुद को ड्रॉप कर लिया हो।

यह सही है कि टीम इंडिया के हिटमैन रोहित शर्मा इन दिनों खराब फार्म के दौर से गुजर रहे हैं, लेकिन पहले उनके साथ मुम्बई इंडियन टीम की कप्तानी जिस तरह से छीनी गई, वह तरीका उचित नहीं था। वहां हार्दिक पंड्या और रोहित के बीच विवाद खड़ा किया गया। इधर, टीम इंडिया का जैसे ही गौतम गंभीर को हैड कोच बनाया गया, तभी से लगने लगा था कि टीम में कुछ गड़बड़ होने वाली है। गौतम गंभीर को क्यों चुना गया, इसका जवाब पूरी तरह से राजनीतिक ही है।

वैसे गंभीर एक बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं, लेकिन उनके व्यवहार को लेकर पहले भी चर्चाओं के दौर चलते रहे हैं। वह कप्तान रहे, तो उनकी कप्तानी भी बहुत सफल नहीं रही। फिर उन्होंने राजनीति में जाने का रास्ता चुना। सांसद बन गए। अचानक फिर से क्रिकेट टीम का हैड कोच बनाकर टीम को भी एक तरह से राजनीति का अखाड़ा बना दिया गया, ऐसा कहा जा रहा है। लगातार असफलता के लिए किसी एक खिलाड़ी को या केवल कप्तान को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उदाहरण के तौर पर विराट भी लगातार फ्लाप साबित हो रहे हैं। बुमराह को छोड़कर केवल नीतिश रेड्डी एक बार चले, बाकी खिलाड़ी बहुत कुछ नहीं कर पाए।

कहा तो यह भी जा रहा है कि रविचंद्रन अश्विन के संन्यास लेने के पीछे भी हैड कोच गौतम गंभीर का व्यवहार ही रहा है। सच्चाई कितनी है, यह नहीं कहा जा सकता। लेकिन रोहित और विराट जैसे खिलाड़ी यदि फार्म के बाहर चल रहे हैं, तो यह पूरे भारत के लिए चिंता का विषय है। दोनों महान खिलाड़ियों की श्रेणी में शामिल हो चुके हैं। ऐसे उम्दा खिलाड़ियों के लिए बेहतर तो यही होता है कि समय रहते संन्यास ले लें, कम से कम अनुचित और स्तरहीन आलोचनाओं से ही नहीं, इस तरह की अपमानजनक स्थितियों से भी बच जाते हैं।

देश की पहली महिला शिक्षक सावित्री बाई फुले

भारतीय इतिहास में ऐसी कई महान शख्सियत जन्मीं, जिन्होंने अपना जीवन समतामूलक समाज के लिए समर्पित कर दिया. इन्हीं शख्सियतों में से एक शालीन व्यक्तित्व सावित्रीबाई फुले थीं. भारतीय शिक्षा के इतिहास में महिला शिक्षा के आगाज़ का ख्याल आते ही हमें साबित्रीबाई फुले याद आती हैं. उन्होंने देश में ऐसे समय महिला शिक्षा की शुरुआत की, जब महिलाओं का घर से निकलना बेहद मुश्किल था. सावित्रीबाई फुले ने महिलाओं को शिक्षा रूपी हथियार देने के संघर्ष में समाज से विरोध, अपमान, पत्थर और ना जाने कितना कुछ झेला, तब कहीं जाकर वे महिलाओं को शिक्षा रूपी आभा दे पायीं. वहीं, सावित्रीबाई फुले ने समाज सुधार में भी अपना अहम अवदान दिया है. ऐसे में सावित्रीबाई के महान जीवन, संघर्ष और विचार को याद करने व समाज में फैलाने के लिए उनकी जन्म तारीख 3 जनवरी को हर साल सावित्रीबाई फुले जयंती के रूप में मनाया जाता है.

एक नज़र जब हम सावित्रीबाई के संघर्ष से घिरे जीवन तरफ देखते हैं, तब ज्ञात होता है कि, सावित्रीबाई का जन्म 3 जनवरी, 1831 को महाराष्ट्र में सतारा जिले के नायगांव गाँव में हुआ था. सावित्री की माता का नाम लक्ष्मीबाई और पिता खंडोजी था. सावित्रीबाई के जन्म का दौर एक ऐसा दौर था जब समाज बड़ी जटिल असमानताओं से लबरेज था. शिक्षा को लेकर समाज की सोच यह थी कि, शिक्षा का अधिकार केवल उच्च वर्ग के पुरूषों के लिए है. शिक्षा जैसे प्रकाश के लिए महिला और दलित अयोग्य हैं. ऐसे में समाज की इस अक्षम्य मानसिकता ने सावित्रीबाई को भी शुरुआती शिक्षा से वंचित कर दिया. वक्त गुजरने के साथ अल्प आयु में ही सन् 1840 में सावित्रीबाई फुले की शादी महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले से हो गयी थी. शादी की उम्र तक अशिक्षित रही सावित्रीबाई फुले को शादी के उपरांत उनके पति ज्योतिबा फुले ने शिक्षित किया.

सावित्रीबाई ने शिक्षा रूपी अमृत चखने के बाद महाराष्ट्र के पुणे में सन् 1848 में देश पहला बालिका विद्यालय खोला. उन्होंने 18 स्कूल खोलें जिनमें लड़कियों और वंचित समुदाय के बच्चों को शिक्षा दी. उन्होंने 1853 में बाल हत्या प्रतिबंधक गृह की स्थापना की. इस गृह में विधवा औरतें अपने बच्चों को जन्म दे सकती थी. ये विधवाएं यदि मजबूरीवश अपने बच्चों को साथ रखने में असमर्थ होती थीं, तो इस गृह में छोड़कर भी जा सकती थी. मजदूरों के लिए सावित्रीबाई ने रात्रि विद्यालय खोला ताकि, मजदूर शिक्षा से वंचित न रह जाएं.

सावित्रीबाई फुले के काल में दलितों को कुएं से पानी नहीं पीने दिया जाता था. तब सावित्रीबाई ने दलितों के लिए एक कुएं का निर्माण किया था. जहां दलित लोग पानी का उपयोग करते थे. आगे जब दाम्पत्य जीवन में सावित्रीबाई के यहां कोई संतान पैदा नहीं हुयी. तब सावित्री और उनके पति ज्योतिबा फुले ने एक ब्राह्मण विधवा के पुत्र को गोद लिया. जिसका उनके परिवार ने विरोध किया. फिर, उन्होंने अपने परिवार से नाता समाप्त कर दिया.

ऐसा बताया जाता है कि सावित्रीबाई फुले जब लड़कियों को पढ़ाने स्कूल जाती थी तो पुणे में स्त्री शिक्षा के विरोधी उन पर गोबर फेंक देते थे, पत्थर मारते थे. वे हर दिन बैग में एक्स्ट्रा साड़ी लेकर जाती थी और स्कूल पहुंचकर अपनी साड़ी बदल लेती थीं

कुप्रथाओं का विरोध किया

वहीं, समाज में व्याप्त जाति प्रथा, दहेज़ प्रथा जैसी विभिन्न कुरीतियों से लड़ने के सावित्रीबाई फुले ने उनके पति ज्योतिबा फुले के साथ सत्यशोधक समाज की स्थापना की. जिससे समाज सुधारक आंदोलन को एक नई राह मिली. हम सावित्रीबाई के विचारों की तरफ गौर फ़रमाते हैं तब समझ आता है कि, वे शिक्षा को लेकर अपने प्रखर विचार रखती थीं. उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने पहले थे.

सावित्रीबाई मानती थी कि, शिक्षा स्वर्ग के द्वारा खोलते हुए स्वयं को जानने का अवसर देती है. स्वाभिमान से जीने के लिए पढ़ना जरूरी है. अपने समय के आभूषण प्रिय समाज से वह कहती थी कि, पाठशाला ही सच्चा गहना है.

सावित्रीबाई फुले का मानना था कि, जाति और धर्म के बजाए किसी के मूल्य को आंकने का पैमाना मात्र शिक्षा होना चाहिए. इसलिए, विशेषत: महिलाओं से वह कहती थी कि चौका और बर्तन से ज्यादा जरूरी शिक्षा है. शिक्षा ही हर महिला की मुक्ति की कुंजी है. महिला अधिकार कोई विशेषाधिकार नहीं बल्कि मानवता का एक पहलू है. उनका मानना था कि, बेटियों को विवाह से पहले शिक्षित करना चाहिए ताकि, वे अच्छे और बुरे में फर्क समझ सकें. कोई तुम्हें कमजोर समझे इससे पहले तुम्हें शिक्षा की महत्वता को समझना होगा.

समाजिक न्याय को लोकर सावित्रीबाई फुले का विचार था कि, समाजिक न्याय तब हासिल होता है जब हांसिए पर पड़े लोगों को सुनकर उनका उत्थान किया जाए. वे समानता, स्वतंत्रता, मानवतावाद, भाईचारा जैसे नैतिक मूल्यों की पक्षधर रही है. इन्हीं मूल्यों को अपनाते हुए उन्होंने समाजिक बदलाव में अपना जीवन समर्पित कर दिया.

सावित्रीबाई यह भी कहती थी कि, जब पीड़ितों के ऊपर जुल्म बड़ता है तब वे शिक्षा के और अधिक अधिकारी हो जाते हैं. पीड़ितों को जागकर, उठकर, शिक्षित होकर दिमाग को आजाद करते हुए परंपराओं को तोड़ना चाहिए, ताकि समाज को बदला जा सके.

ऐसे दुनिया को छोड़ा

सन 1897 के समय एक प्लेग बीमारी चरम पर थी. उस वक्त सावित्रीबाई गंभीरता से मरीजों का इलाज और देखभाल कर रही थी. ऐसे में महिला, शोषित, पिछड़े वर्ग के उत्थान को लेकर अपनी जिंदगी न्यौछावर करने वाली शख्सियत सावित्रीबाई फुले ने 10 मार्च 1897 को अन्तिम सांस ली और दुनियां को अलविदा कह दिया. सावित्रीबाई फुले एक महान शिक्षिका, समाज सुधारक होने के साथ-साथ कवयित्री भी थी. सावित्रीबाई के जीवन अनुभव का एक गहरा विचार यह था कि, यदि आपके पास ज्ञान, शिक्षा और बुद्धि नहीं है? और इसकी चाहत भी नहीं रखते तब आप मनुष्य कैसे कहला सकते हैं? सावित्रीबाई के जीवन से यह सीखा जा सकता हैं कि हम धरती पर जन्म जरूर लेते हैं लेकिन, धरती पर हमारा त्याग, समर्पण, संघर्ष और प्रेम ही हमें मनुष्य बनाता है

जीएसटी की दरें वाजिब बनाने की बात

राकेश दुबे

देश में अब वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था ऐसे मोड़ पर पहुंच रही है, जहां इसके ढांचे में ही बदलाव करने पर बातचीत होनी चाहिए। सरकार ने मुआवजा देने का अपना वादा पूरा करने के लिए कोविड-19 महामारी के बाद लगातार कर्ज लिए हैं, जिन्हें नवंबर 2025 तक चुका दिए जाने की उम्मीद है। मुआवजा उपकर लगाने की कानूनी मियाद मार्च 2026 तक बढ़ा दी गई है। जीएसटी के अब तक के सफर में यह महत्त्वपूर्ण बिंदु है जहां व्यापक सुधार पर चर्चा की जा सकती है। उपकर को वर्तमान या किसी और रूप में जारी रखा जाए या नहीं, इस सवाल के परे भी जीएसटी प्रणाली के स्वरूप में कुछ समस्याएं हैं, जिन पर चर्चा करने और जिन्हें सुधारने की जरूरत है।

अब यह पूछना जरूरी है कि जीएसटी व्यवस्था में सुधार क्यों किया जाना चाहिए। अतिरिक्त राजस्व जुटाने के लिए जीएसटी की संरचना में सुधार किया जा सकता है। जितना राजस्व आ रहा है, उसे देखते हुए सुधार का मकसद अनुपालन तथा प्रशासन पर हो रहा खर्च घटाने के लिए दरों में बदलाव करना भी हो सकता है। कर की दरें कम होंगी तो वस्तु या सेवा को गलत श्रेणी में रखे जाने और उसकी वजह से होने वाले विवादों में कमी आएगी, जिससे अनुपालन तथा प्रशासन का खर्च कम होगा। कर प्रणाली के कारण पूरी व्यवस्था में आया बिगड़ाव कम करना भी इसका मकसद हो सकता है। इसके तहत उन वस्तुओं पर कम कर लगना चाहिए, जिनकी कीमत बदलने पर मांग तेजी से घटती-बढ़ती है। जिनकी मांग पर मूल्य परिवर्तन का खास फर्क नहीं पड़ता उन पर ज्यादा कर वसूला जा सकता है।

हमारे पास विचार करने के लिए कई बिंदु हैं- क्या कर के स्लैब कम करने के लिए कर की दरों को वाजिब बनाया जाना चाहिए? उपकर के मामले में क्या कदम उठाया जाना चाहिए? और क्या जीएसटी के आधार में बड़ा विस्तार किया जा सकता है? इन सभी बिंदुओं पर हम संक्षेप में विचार करेंगे।

जीएसटी की अभी चार दरें हैं, जिन्हें आगे जाकर घटाते हुए दो पर लाने का लक्ष्य रखा गया है। जीएसटी की परिभाषा देखें तो इसके लिए कुछ वस्तु और सेवाओं पर कर बढ़ाना होगा और कुछ पर घटाना होगा। उत्पादन में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं और सेवाओं पर चुकाया गया इनपुट टैक्स इस कर व्यवस्था में वापस कर दिया जाता है। इसलिए यदि उन वस्तुओं या सेवाओं पर कर बढ़ाया जाता है, जिनका इस्तेमाल इनपुट यानी कच्चे माल के तौर पर होता है तो मामला बिगड़ जाएगा। कच्चे माल पर कर बढ़ा तो तैयार उत्पाद पर भी कर बढ़ाना पड़ेगा।

अब खरीदार इनपुट टैक्स वापस मांग लेंगे, इसलिए उत्पादों की मांग जस की तस रहने पर भी राजस्व में इजाफा नहीं होगा यानी कर दरें बढ़ाने का फायदा ही नहीं होगा। दूसरे शब्दों में कहें तो दरों को वाजिब बनाने के लिए सभी वस्तुओं और सेवाओं को दो श्रेणियों में रखना सही होगा - करयोग्य गतिविधियों के लिए इनपुट और अन्य। दूसरी यानी अन्य श्रेणी पर कर की दरें बदलने का असर राजस्व पर पड़ सकता है मगर पहली श्रेणी यानी इनपुट पर कर घटाने-बढ़ाने का कोई असर नहीं होगा। लेकिन इससे कई वस्तुओं और सेवाओं की दरें बदल जाएंगी, जिससे काफी उलटफेर हो सकता है। इसलिए ऐसे बदलावों को राजनीतिक और आर्थिक मोर्चों पर सावधानी के साथ संभालना होगा।

दरें दुरुस्त करने की चर्चा में एक पहलू वस्तुओं के दाम के हिसाब से कर की दरें अलग-अलग रखने का भी है। इसके तहत सस्ते सामान पर कम कर होगा और महंगे सामान पर ज्यादा कर। दो अलग-अलग कर दरों की यह व्यवस्था फुटवियर और परिधान में पहले ही चल रही है, जहां 500 रुपये से अधिक कीमत के फुटवियर और 1,000 रुपये से ज्यादा कीमत के परिधान पर कर बढ़ जाता है। कर की दरों में इस अंतर का मकसद कम आय वाले परिवारों पर कर का बोझ कम रखना है। कर की दरों को वाजिब बनाने के लिए गठित मंत्रिसमूह की चर्चाओं पर आई हालिया खबरों से लगता है कि और भी वस्तुओं को कीमत के हिसाब से अलग-अलग कर श्रेणी में रखा जा सकता है।

मगर जीएसटी की दरें वाजिब बनाने और बदलने की बात आए तो अनुपालन तथा प्रशासन के खर्च पर नजर जरूर रखी जानी चाहिए। कर की श्रेणियां ज्यादा हुईं तो व्यापारी कीमत गलत बता सकते हैं या करार की गलत सूचना दे सकते हैं, जिससे कर प्रशासन पर बोझ बढ़ जाएगा और विवाद भी बढ़ सकते हैं। साथ ही ऐसा भी लगता है कि इससे कर दरों की संख्या कम करने का लक्ष्य नजदीक आने के बजाय दूर चला जाएगा।

मुआवजा उपकर की बात करें तो मौजूदा कानूनी प्रावधान के तहत यह व्यवस्था मार्च 2026 तक लागू रहने वाली है। उपकर से प्राप्त राजस्व से फिलहाल सरकार द्वारा एक के बाद एक लिया गया कर्ज चुकाया जा रहा है, जो नवंबर 2025 तक खत्म हो जाएगा। इसलिए उपकर का मकसद तब तक पूरा हो जाएगा। लेकिन उपकर से अच्छा खासा राजस्व आता है और जिन वस्तुओं पर अभी यह लगाया जा रहा है, उन्हें विलासिता, प्रदूषणकारी या हानिकारक की श्रेणी में रखा जाता है। इस लिहाज से इन पर ऊंचा कर जारी रखना सही कहा जा सकता है। राजस्व के लिहाज से उपकर खत्म होने के बाद उसके बराबर कर जारी रखा जा सकता है। हां, अगर साबित हो जाए कि इन वस्तुओं की मांग कीमत बढ़ने पर तेजी से घट जाती है तो इन्हें बढ़े हुए कर से बरी किया जा सकता है। मगर इसकी नतीजा यह होगा कि दरों की संख्या घटाने के लक्ष्य से हम और दूर चले जाएंगे क्योंकि प्राथमिक दरों की संख्या बढ़ सकती है।

जीएसटी संरचना में व्यापक सुधार की बात हो तो यह सवाल पूछना जरूरी है कि क्या जीएसटी के आधार में बढ़ोतरी का वाकई कोई फायदा होगा। पेट्रोल और डीजल को भी जीएसटी के दायरे में लाने की बात चल रही है मगर इसके खिलाफ कई तरह की दलीलें हैं क्योंकि ये प्रदूषण फैलाने वाले ईंधन हैं। बिजली (उत्पादन एवं वितरण) ऐसा क्षेत्र है, जिसे जीएसटी के दायरे में लाने की जरूरत है। बिजली की जरूरत अर्थव्यवस्था की सभी बड़ी गतिविधियों में पड़ती है मगर इसके साथ ही दो और कारणों पर भी विचार करना होगा।

पहला कारण, बिजली क्षेत्र में निवेश के लिए संसाधन बड़ी मात्रा में लगते हैं और उन्हें खरीदने पर कर भी काफी ज्यादा देना पड़ता है। अगर इस क्षेत्र को जीएसटी के तहत लाया जाता है तो बिजली के दाम कम हो सकते हैं और कर तथा कीमत के कारण आगे तक पड़ने वाला (कैस्कैडिंग) असर भी कम हो सकता है। दूसरा कारण यह है कि देश की अर्थव्यवस्था में बदलाव होता दिख रहा है, जिसमें ऊर्जा के स्रोत के तौर पर बिजली को ज्यादा अहमियत दी जा रही है।

अभी पेट्रोल और डीजल से केंद्र तथा राज्य सरकारों को अच्छा खासा राजस्व मिलता है। अगर आगे जाकर इनकी मांग कम होती है तो बिजली को जीएसटी में लाने से कर में अच्छी खासी बढ़ोतरी हो सकती है। लेकिन इस बदलाव से कुछ समय तक तो राजस्व में कमी आएगी और इसकी मार राज्य सरकारों पर ज्यादा पड़ेगी। चर्चा से लगता है कि दरों को एक साथ बड़े स्तर पर दुरुस्त बनाए जाने की जरूरत है मगर राजस्व घटने की चिंता और स्थिरता की खातिर इसमे धीरे-धीरे बदलाव हो सकता है ऐसा हुआ तो यह प्रणाली यथास्थिति यानी आज की स्थिति के इर्द-गिर्द ही घूमती रहेगी।

मणिपुर में माफी कोरा दिखावा न होकर सार्थक बदलाव करें

-ललित गर्ग-

मणिपुर में जातीय संघर्ष, व्यापक हिंसा एवं अराजक माहौल के लिए पूर्वोत्तर राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बीते साल के आखिरी दिन शांति की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए 'माफी' मांगी है, इस माफी को लेकर राजनीति के गलियारों में व्यापक चर्चा है। क्योंकि इस हिंसा में मई 2023 से 250 से अधिक लोगों की जान चली गई और हजारों लोग बेघर हो गए है। लम्बे समय से यह प्रांत अस्थिरता, असंतोष एवं अशांति की आग में जल रहा है। एन बीरेन सिंह ने माफी मांगते हुए हिंसा के इस लंबे कालखण्ड एवं सिलसिले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और सभी समुदायों से अपील की कि पिछली गलतियों को भुलाकर वे शांति और सौहार्द कायम करें। हालांकि मुख्यमंत्री की इस अपील के अपने मतलब निकाले जा रहे है। कुछ लोगों का कहना है कि यह माफी बहुत पहले मांगी जानी चाहिए थी। कुछ का यह मानना है कि माफी ऐसे समय आई है जब मुख्यमंत्री चौतरफा दबाव में है।

विरोधी तो बहुत पहले से उनका इस्तीफा मांग रहे हैं, पिछले कुछ समय से खुद उनके विधायकों और सहयोगियों ने इस माफी को उनकी मजबूरी का परिणाम बताया है। निश्चित ही बीरेन सिंह के लिये माफी मांगना काफी नहीं है, अगर वह मानते हैं कि स्थिति को संभालने में नाकाम रहे तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए था या केन्द्र को राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए था। अफसोसनाक यह है कि इस मसले पर अक्सर विवाद उभरते रहे और राजनीतिक शख्सियतों के बीच आरोप-प्रत्यारोप अक्सर बेलगाम बोल में तब्दील ही होते रहे, कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया, जो गैरजिम्मेदाराना राजनीति को दर्शाता है।

मणिपुर में 3 मई 2023 से ही बहुसंख्यक मैतेई और कुकी के बीच आरक्षण और आर्थिक लाभ को लेकर जो हिंसा शुरू हुई वह अभी थमने का नाम नहीं ले रही। कभी अपनी सांस्कृतिक सद्भावना के लिए जाना जाने वाला राज्य अब गहराते विभाजन एवं जातीय संघर्ष का सामना कर रहा है और लोग लगातार भय में जी रहे हैं। तनाव कम होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा। शांति एवं सद्भावना की तलाश अभी भी जारी है। मणिपुर में जब चंद दरिंदें दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर उनके साथ बर्बरतापूर्ण हरकत करते नजर आए तो पूरा प्रांत आक्रोश में आ गया। जनमानस की प्रतिक्रिया लोकतांत्रिक व्यवस्था में बहुत महत्व रखती है। न तो राज्य सरकार ने और न ही केन्द्र सरकार ने हिंसा को रोकने के लिए कोई ठोस उपाय किए और न ही शांति स्थापित करने के कोई प्रयास किए गए। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सरकार डेढ़ साल से ज्यादा समय से खेमों में बंटती राजनीतिक उलझन में फंसी रही। सभी दल, नेता एवं सरकार नामुमकिन निशानों की ओर कौमों को दौड़ती रही। यह कौमों के साथ नाइंसाफी होने के साथ अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा थी। क्योंकि ऐसी दौड़ जहां पहुंचाती है, वहां कामयाबी की मंजिल नहीं, बल्कि मायूसी का गहरा गड्ढा होता है।

मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह स्वीकारोक्ति कि "मैं राज्य में जो कुछ हुआ उसके लिए खेद व्यक्त करना चाहता हूं। कई लोगों ने अपनों को खो दिया और कई लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा। मैं खेद व्यक्त करता हूं और माफी मांगता हूं। लेकिन पिछले तीन-चार महीनों में अपेक्षाकृत शांति देखने के बाद, मुझे उम्मीद है कि आने वाले साल में स्थिति सामान्य हो जाएगी।" प्रश्न है कि मुख्यमंत्री 18 माह के खून-खराबे के बाद अब क्यों माफी मांग रहे हैं? वे क्या संदेश देना चाहते हैं? अगर वह स्थिति को संभालने में नाकाम रहे थे तो उन्हें बहुत पहले इस्तीफा दे देना चाहिए था। ताकि स्थितियों लगातार इतनी विकराल नहीं होती, इतनी अधिक जनहानि नहीं होती। देश के नेताओं को गाल बजाने की बजाय आम आदमी को परेशान करने वाली सामाजिक असुरक्षा, जातीय संघर्ष तथा हिंसा जैसे मुद्दों से निबटने के लिये दूरगामी नीतियों के क्रियान्वयन के प्रयास करने चाहिए।

यूं तो मणिपुर हिंसा में इतने मासूमों की मौत के बाद मुख्यमंत्री के माफी मांगने का कोई औचित्य नजर नहीं आ रहा। इसीलिये विपक्ष दल एवं कांग्रेस उन पर और केन्द्र सरकार पर हमलावर है। 19 महीनों में एन.बीरेन असंवेदनशील बने रहे और वर्ष के अंत में उन्होंने माफी मांगकर किस संवेदनशीलता का परिचय दिया है? अब सवाल यह है कि त्रासदी का अंत कैसे हो? कैसे शांति स्थापित हो? जरूरत है मनुष्य को बांटे नहीं, सत्य को ढंके नहीं।

बड़ा सवाल यह है कि राज्य द्वारा माफ़ी मांगना केवल दिखावा है और राजनीतिक अपयश निवारण और क्षतिपूर्ति की आवश्यकता मात्र है या किसी सार्थक बदलाव की बुनियाद। हालांकि इस तरह की राजनीतिक माफी अक्सर संदेहास्पद ही होती है क्योंकि माफ़ी में इससे कहीं अधिक की क्षमता होती है। सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगने वाले नेताओं की संख्या में वृद्धि विशेष रूप से उल्लेखनीय एवं चिन्तनीय रही है। माफ़ी मांगना एक ऐसी युक्ति है जिसका इस्तेमाल नेता अब अक्सर अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिये करते हैं, ताकि वे कम से कम लागत पर अपनी गलतियों को पीछे छोड़ सकें या उनसे पीछा छूडा सके।

लेकिन बीरेन सिंह की माफी की अच्छी बात यह है कि तमाम दबावों के बाद ही सही, राजनीति और समाज के हर प्रमुख हिस्से ने उनकी माफी को सकारात्मक कदम माना है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस माफी की पहल को विश्वसनीय बनाया जाये एवं ऐसे उपयोगी एवं जरूरी कदम उठाए जाये ताकि मणिपुर राज्य में मैतेई समुदाय और पहाड़ी क्षेत्रों में कुकी जनजातीय समुदायों के बीच चला आ रहा टकराव विराम पा जाये। जरूरी है कि केंद्र और राज्य की सरकार मुख्यमंत्री की इस पहल से उपजे सद्भाव को स्थायित्व देने की कोशिशें अविलंब शुरू कर दें।

2023 के मुकाबले 2024 की दूसरी छमाही में मणिपुर के हालात बेहतर रहे, संघर्ष की स्थितियां कम देखने को मिली। लेकिन पूर्व की हिंसक घटनाओं और मृतकों की संख्या को उससे बनने वाले माहौल से अलग करके नहीं देखा जा सकता। तनाव, संघर्ष और अविश्वास के जिस माहौल से मणिपुर गुजर रहा है, उसकी सचाई इसी हफ्ते कांगपोकपी जिले में कथित कम्युनिटी बंकरों को सुरक्षा बलों द्वारा नष्ट किए जाने पर हुए संघर्ष में 40 लोगों के जख्मी होने और कुकी नैशनल फ्रंट के कथित हमलों के खिलाफ चुराचांदपुर जिले में बंद का आह्वान किए जाने से स्पष्ट है। अभी भी असामान्य हालातों के बीच सवाल है कि मुख्यमंत्री की इस माफी का राज्य के अलग-अलग समुदायों के लोगों पर कैसा और कितना असर पड़ेगा? सवाल महत्वपूर्ण इसलिए भी हो जाता है क्योंकि यह आरोप संघर्ष शुरू होने के बाद से ही लगता रहा है कि मुख्यमंत्री और राज्य प्रशासन की भूमिका निरपेक्ष नहीं है। आरोप पूरी तरह गलत हो तो भी इससे इतना तो स्पष्ट है कि प्रदेश के लोगों का एक खेमा उन्हें अविश्वास भरी नजरों से देखता है। इतने गंभीर और मानवता के अस्तित्व को ही नकारने से जुड़े मसले पर भी समाज के लोगों में जो बंटवारे की प्रवृत्ति राजनीतिक कारणों से दिख रही है वो किसी भी नजरिए से देश की एकता और अखण्डता के लिये फायदेमंद नहीं है।

मुद्दा चाहे कोई भी, खांचों या खेमों में बांटने या बंटने का और आम लोगों को तोड़ने का या जोड़ने का- राजनीति से जुड़े लोगों, राजनीतिक दलों और नेताओं में तो शुरू से रहा है लेकिन जब समाज में आम लोग भी इस तरह के बंटवारे का हिस्सा बन जाते हैं तो इसमें नुकसान सिर्फ और सिर्फ देश के नागरिकों का होता है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सरकार संकट में सही ढंग से नहीं निपटने के चलते अपनी विश्वसनीयता पहले ही खो चुकी है, लेकिन उसे पुन: हासिल करने के लिये माफी से आगे बढ़कर और अधिक सामाजिक एकता, समरसता एवं सौहार्द के प्रयत्न करने होंगे।

हमारे देश की राजनीति की विडम्बना ही रही है कि लोगों को धर्म, जाति, वर्ग, भाषा, वर्ण के नाम पर बांट कर किसी न किसी तरह सत्ता हासिल करना। हालांकि सही मायने में लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीति की परिभाषा और दायरा उससे कहीं ज्यादा व्यापक है। जातीय हिंसा का समाधान संवाद से ही होता है। राज्य सरकार को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए मैतेई और कुकी समुदाय के साथ लगातार संवाद जारी रखना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़त 1 की मौत, 2 गंभीर घायल

ओबेदुल्लागंज (संवाददाता)- गुरुवार को शाम 5.00 बजे के लगभग औबेदुल्लागंज मिडवे चौराहे पर दो बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई इस हादसे में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई दो अन्य व्यक्ति घायल हो गए सूचना पर पहुंच डायल 100 पुलिस वाहन ने पहुंच कर तीनों घायलों को औबेदुल्लागंज अस्पताल पहुंचाया अस्पताल पहुंचने पर खसरोद ग्राम के राधेश्याम गौर पिता बाबूलाल गौर की मौत हो गई घायल दो अन्य लोग सतलापुर निवासी बताएं जा रहे हैं प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि एक बाइक खसरोद की तरफ जाने को मुड़ी दूसरी बाइक सतलापुर तरफ जा रही थी इसी इसी बीच दोनों में आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई औबेदुल्लागंज थाना प्रभारी भरत प्रताप सिंह ने बताया कि दो बाइक की टक्कर में एक मृत और दो लोग घायल हो गए हैं पुलिस जांच कर रही है द्य आए दिन हादसों को लेकर नगर वासियों ने मांग की है कि मिडवे चौराहे पर दोनों तरफ ब्रेकर बनने चाहिए जिससे हादसों को रोका जा सकता है।

विकसित मप्र विजन जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन

औबेदुल्लागंज(संवाददाता)- नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सोनू चौकसे, की अध्यक्षता में कार्यालय नगर परिषद औबेदुल्लागंज में मध्य प्रदेश ङ्घ 2047 विजन जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जिसमें उपस्थित महानुभाव द्वारा अपने-अपने विचार व्यक्त किए गए एवं प्रेषित किए गए एवं शासन द्वारा निर्धारित प्रारूप में अपने-अपने फीडबैक एकत्रित किए गए औबेदुल्लागंज नगर में लाल बस की सेवा तथा मेट्रो ट्रेन एवं सम्पूर्ण शिक्षा अभियान एवं स्वास्थ्य पर विशेष रूप से ध्यान दिए गए उद्योग में बढ़ावा जिससे बेरोजगारों को रोजगार के अवसर प्रदान हो सके, आपस में समूह द्वारा चर्चा भी की गई कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे पूर्व मंडल अध्यक्ष सोनू चौकसे, रामेश्वर नागर, प्रमोद सेन, सुजीत यादव, सुनील सेरिया, हेमलता मनोज चौरसिया , शंकरलाल इरपाचें , राजेंद्र साहू, आमिर ममनून, डॉ धर्मेंद्र राजपूत, अरविंद तिवारी शिक्षक अर्चना टेकाम, भूपेंद्र मेहरा, जन अभियान परिषद ब्लॉक कोऑर्डिनेटर निशा बाहेकर इस जनसंवाद कार्यक्रम कार्यालय नगर परिषद के उपस्थित अधिकारी, कर्मचारी मुकेश जैन उपयंत्री, राजकुमार शर्मा, महेश मीणा, चंद्रभान जैन, प्रमोद तिवारी, दीक्षा पटेल, सुशील चतुर्वेदी, कनीज़ खान, रजनीश दुबे, उमेश चंदेल, कृष्ण शर्मा, रेखा बावने, प्रियंका झरिया ,पवन निरापुरे, प्रीतम गौर, प्रशांत, मोतीलाल परमार, कन्हैया धुर्वे, कीर्ति राम कुशवाहा, विनोद यादव, सन्नी अग्रवाल, आशीष यादव ,संजय बाजपेई ,सुभाष सराठे, जितेंद्र सिरसवाल, शम्मी बाई, अनीता बाई एवं समस्त कर्मचारियों विशेष रूप से उपस्थित रहे

सीएमएचओ ने किया निर्माण कार्य का निरीक्षण

दमोह .मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मुकेश जैन ने बताया ग्राम बम्होरी में नवीन उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन 65 लाख रूपये की लागत से स्वीकृति राज्य शासन से प्राप्त हुयी है। भवन का निर्माण स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया जा रहा है। उक्त निर्माण कार्य का निरीक्षण विभागीय उपयंत्री, कार्यपालन यंत्री एवं खण्ड चिकित्सा अधिकारी द्वारा समय समय पर किया जा रहा है। मीडिया के माध्यम से संज्ञान में आया कुछ स्थान धॅसा हुआ बताया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया उस स्थान पर शौचालय स्थापित किया जाना है, टॉयलेट शीट एवं ड्रेनेज पाईप की फिटिंग के लिये इस स्थान पर वर्तमान में आर.सी.सी. फ्लोर स्लेब नही किया गया है। उन्होंने बताया वर्तमान में निमार्णाधीन उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण कार्य लेंटर स्तर पर है, भवन में आर.सी.सी.कर्टन वॉल के साथ पिलंथ बीम का निर्माण किया गया है। फर्श में मुरम फिलिंग कर आर.सी.सी. फ्लोर स्लेब किया है एवं शौचालय के फ्लोर स्लैब को टॉयलेट शीट एवं ड्रेनेज पाईप डालने के लिये वर्तमान में छोडा गया है। तत्पश्चात दीवारों की जुडाई कार्य प्रारंम्भ किया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले सांसद दर्शन सिंह

इटारसी//दिल्ली राष्ट्रपति भवन में भारत की 15 वीं वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से नर्मदापुरम नरसिंहपुर के लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने गुरुवार को भेंट की । नये वर्ष के दूसरे दिन दर्शन सिंह चौधरी ने सांसद बनने के बाद पहली बार राष्ट्रपति से मुलाकात की। इस अवसर पर सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से सम सम्यक विषयों पर विस्तृत चर्चा की। सांसद चौधरी ने बताया कि हमारी राष्ट्रपति महोदया सहज सरल स्वभाव की त्याग, तपस्या और निष्काम सेवा की प्रतिमूर्ति हैं। उन्होंने अपने जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन कभी भी जीवन मूल्यों से समझौता नहीं किया। सदैव गांव गरीब महिलाओं की भलाई के लिए कार्य किये है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार मजबूती का प्रदर्शन कर रही है। भारत को 2027 तक दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सतत् प्रयास किया जा रहा है। दुनिया के तमाम देश और उनकी एजेंसी भी अब मानती है कि भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया मे सबसे तेज गति से बढ़ रही है। इस अवसर पर सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने नर्मदापुरम नरसिंहपुर लोक सभा क्षेत्र की जनता जनार्दन की ओर से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को स्मृति चिन्ह भेंट किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रथम निर्वाचित सांसद दर्शन सिंह चौधरी को बधाई दी।

संगम सेवालय के द्वारा कूपी गांव मे कपड़े का वितरण किया गया

छतरपुर। संगम सेवालय् के द्वारा आज किशनगढ़ क्षेत्र के आदिवासी गाँव कूपी मे गर्म कपड़ो का वितरण किया गया जिसमे बच्चों के 250 जोड़ी कपड़े ,200 स्वेटर,120 साड़ी,45 सलवार सूट,130 जोड़ी पेंट शर्ट और 50 कंबल का वितरण किया गया संगम सेवालय के सदस्य सोनू तोमर ने बताया कि हमारी टीम शहर के लोगो से पुराने कपड़े को इकट्ठा करती है और उन्हे अच्छे से साफ करके और उनको प्रेस करके वितरण है। आज वितरण के समय विपिन अवस्थी,सोनू तोमर,प्रमोद रैकवार,बृजगोपाल रैकवार, और आकाश रैकवार उपस्थित रहे

शनिवार को लटेरी तहसील में बजेगी मोहन के विकास की वंशी

जनकल्याण पर्व के अंतर्गत 4 जनवरी को लटेरी में होगा मुख्यमंत्री मोहन यादव का नागरिक अभिनन्दन

सिरोंज। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शनिवार को विदिशा जिले की लटेरी तहसील पहुंचेंगे। सिरोंज लटेरी विधानसभा के विधायक उमाकांत शर्मा के आग्रह पर मुख्यमंत्री बनने के उपरांत पहली बार क्षेत्र में पधार रहे मुख्यमंत्री मोहन यादव का मध्यप्रदेश के हित में विगत एक वर्ष में दूरगामी परिणाममूलक महत्वाकांक्षी बड़ी योजनाओं को धरातल पर साकार करने के साथ जनकल्याण की योजनाओं को साकार रूप प्रदान करने के लिए यहां उनका नागरिक अभिनन्दन किया जाएगा।

गुरुवार को सिरोंज लटेरी विधानसभा के लटेरी तहसील में आने की खबर से भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह भी नजर आने लगा है। स्थानीय विधायक उमाकांत शर्मा ने देर रात्रि में सिरोंज मंडल के कार्यकर्ताओं के साथ मुख्यमंत्री के दौरा कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर एक बैठक भी आयोजित की। बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य हे कि प्रदेश सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित हो रहे जनकल्याण पर्व के बीच माननीय मुख्यमंत्री जी ने हमारे क्षेत्र में आने का निर्णय लिया है। हालांकि यह उनका सरकारी दौरा रहेगा किंतु हमारी पार्टी

के मुखिया होने के नाते हम सभी कार्यकर्ताओं को उनके इस दौरे को भव्यता प्रदान करना है। चूंकि यह दौरा स्वयं माननीय मुख्यमंत्री जी ने तय किया है ओर उस दिन सिरोंज लटेरी विधानसभा के स्वर्णिम विकास के लिए वह अनेक सौगातें भी प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने सभी वार्ड स्तर के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देते हुए अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं तथा हितग्राहियों को इस आयोजन में सहभागिता करने के लिए आग्रह भी किया है। इस दौरान उन्होंने पदाधिकारियों को आयोजन स्थल की व्यवस्थाओं संबंधी जिम्मेदारियां भी सौंपी। उल्लेखनीय है कि स्थानीय विधायक उमाकांत शर्मा सिरोंज को जिला बनवाने, रेल लाइन स्वीकृत करवाने के साथ क्षेत्र में युवाओं को रोजगार के लिए उद्योग लगवाने हेतु काफी लंबे समय से प्रयासरत है। इस अवसर पर बैठक को पूर्व नपाध्यक्ष पदम ताम्रकार एवं रमेश यादव ने भी संबोधित किया। इसके पूर्व बैठक के शुभारंभ डॉ श्यामप्रसाद मुखर्जी तथा दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता हरीबाबू भार्गव,डॉ पीके विश्वास, नपाध्यक्ष मनमोहन साहू,मंडल अध्यक्ष सीताराम कुशवाह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, मोर्चा प्रकोष्ठों एवं बूथ केंद्र के कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

हरदहा समाज महासभा द्वारा सम्मान समारोह 5 को होगा

मण्डला--काछी (हरदहा) समाज महासभा का सम्मान समारोह हरदहा पंचायत भवन बम्हनी बंजर कार्यालय के सामने दिनाँक 5 जनवरी दिन रविवार को दोपहर 12बजे होगा।जिसमें प्रतिभावान छात्र-छात्रों जो वर्ष 20023ङ्क24 में शिक्षा के क्षेत्र में कक्षा 10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षा में सर्वाधिक अंक-प्राप्त करने वाले प्रथम, द्वितीय,तृतीय एवं 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले,पीएससी परीक्षा में सफलता प्राप्त, नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर एमबीबीएस, बीएएमएस, बीएचएमएस प्रथम वर्ष में प्रवेशित,जेईई परीक्षा उत्तीर्ण कर इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष में प्रवेशित अन्य उच्च स्तरीय परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले खेल के क्षेत्र में ऐसे प्रतियोगी जो राज्य स्तर या उच्च स्तर पर खेल प्रतियोगिता में भाग लेकर प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले कृषि के क्षेत्र में प्रगतिशील चयनित कृषकों को समाज के 75 वर्ष या इससे अधिक उम्र के वृद्धों को आधार कार्ड के आधार पर उम्र तय कर सम्मानित किया जानें एवं सभी विभागों में कार्यरत् कर्मचारी-अधिकारी शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुये हैं ऐसे सभी स्वजातीय बन्धुओं को सम्मानित किया जावेगा। सम्मान समारोह में महासभा के अध्यक्ष कृष्ण कुमार हरदहा,संरक्षक गणेश हरदहा,गोपाल हरदहा, कोषाध्यक्ष नरोत्तम हरदहा, उपाध्यक्ष ठुन्नू लाल हरदहा गंगौरा,छोटे लाल दिवारा,सुनील हरदहा लफरा,बम्हनी बंजर इकाई के अध्यक्ष महेन्द्र हरदहा (लल्ला),दिलीप हरदहा मंडला,श्रीमती शारदा राजाराम हरदहा,वार्ड मेम्बर जगदीश हरदहा आदि ने कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

कलेक्टर ने की सीएम हेल्प लाईन में दर्ज शिकायतों की समीक्षा

लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर हुई कार्यवाही

सिवनी- आमजनों द्वारा सीएम हेल्प लाईन में दर्ज की जा रही शिकायतों का समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन द्वारा लगातार विभागवार दर्ज होने वाली शिकायतों की विस्तृत समीक्षा की जा रही है।

इसी क्रम में गुरूवार 02 जनवरी को कलेक्टर सुश्री जैन द्वारा विभागवार की गई विस्तृत समीक्षा में अधिकारियों द्वारा लापवाही पाये जाने पर संबंधितों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये हैं। जिसमें राजस्व विभाग अंतर्गत दर्ज शिकायतों में अपेक्षित निराकरण न करने को लेकर बरघाट, सिवनी, छपारा, कुरई, घंसौर, धनौरा के सभी राजस्व अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए हैं। इसी तरह छपारा खाद्य निरीक्षक को छोडकर सभी खाद्य निरीक्षकों को भी कारण बताओं नोटिस जारी किया गया।

प्रदेश स्तर पर आयोजित होने वाले समाधान कार्यक्रम के अनुरूप जिले में जिला स्तरीय समाधान कार्यक्रम आयोजित करते हुये कलेक्टर सुश्री जैन ने विभिन्न विभागों की रैंडम शिकायतों की भी समीक्षा की। उन्होंने जिला स्तरीय समाधान में चयनित खाद्य विभाग में दर्ज आवेदन करने के चार माह उपरांत भी राशन पर्ची न मिलने की शिकायत पर खाद्य निरीक्षक प्रतीक तिवारी को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये हैं। इसी तरह नगर पालिका सिवनी अंतर्गत जन?म-मृत?यु प्रमाण पत्र जारी न करने की शिकायत को लेकर नगर पालिका के शाखा प्रभारी को असंचयी प्रभाव से वेतन वृद्धि रोकने का नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए हैं। इसी तरह बरघाट के ग्राम सैला से अतिक्रमण हटाने को लेकर दर्ज की गई शिकायत पर की गई कार्यवाही का सूक्ष्?म परीक्षण न करने को लेकर नायब तहसीलदार बरघाट को नोटिस जारी किया गया है। इसी तरह घंसौर जनपद अंतर्गत सड़क निर्माण के कार्यों का भुगतान न होने की शिकायत की विस?तृत जानकारी सीईओ जनपद को न होने को लेकर भी सीईओ जनपद को नोटिस जारी किया गया है। इसके अतिरिक?त जनपद केवलारी के पुल निर्माण कार्यों की गुणवत?ता की जांच को लेकर की शिकायत के संबंध में कलेक?टर सुश्री जैन ने ईई-आरईएस को जांच प्रतिवेदन प्रस?तुत करने के निर्देश दिए हैं। इसके अतिरिक?त महिला बाल विकास अंतर्गत लाडली लक्ष?मी योजना की भुगतान संबंधी शिकायत को लेकर संबंधित कुई सीडीपीओ और जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसी तरह लाडली बहना योजना की हितग्राही का भुगतान समग्र से डीलिंग होने के कारण न होना बताया जाने पर उक?त प्रकरण की जांच रिपोर्ट प्रस?तुत करने के निर्देश दिए हैं। इसी तरह उपार्जन केन्?द्र झिंझरई में अधिक तौल की शिकायत को लेकर जिला खाद्य अधिकारी तथा जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। इसके अतिरिक?त जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम को उपार्जित धान के परिवहन में लापरवाही पाए जाने के उपरांत भी परिवहनकर्ता पर अर्थदण?ड आरोपित न करने को लेकर भी कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक?टर सुश्री जैन ने मंडी विभाग अंतर्गत केवलारी में दर्ज शिकायत पर मंडी सचिव केवलारी द्वारा लेबल वन अधिकारी के रूप में तथा मंडी सचिव सिवनी द्वारा लेबल टू अधिकारी के रूप में प्रतिवेदन दर्ज न करने पर नाराजगी व?यक?त की गई। उन?होंने मंडी सचिव केवलारी को निलंबित करने तथा मंडी सचिव सिवनी के निलंबन का नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं।

जागरूक नागरिकों ने नदी व नालों के समीप बने अवैद्य भवनों पर कार्यवाही करने सौंपा आवेदन

गंज बासौदा*/*गुरुबार को जागरूक नागरिकों ने एसडीएम विजय राय को एक आवेदन दिया जिसमे कहा गया है कि नगर सहित आसपास के क्षेत्र में नदी व नालों के समीप अवैद्य भवनों के का निर्माण किया गया है जिसके चलते पूर्व में भी आप को एक आवेदन सौंपा गया था।नगर में विगत माह दिसंम्बर 2024 में प्रशासन द्वारा नगर में हटाये गये अतिक्रमण का कार्य बड़ा ही सराहनीय रहा है। जिसकी अधिकांश नगरवासी बड़ी सराहना कर रहे है। इसी तारतम्य में आवेदको द्वारा 25.10.2024 को शहर में पसरे नदी व नालों के अवैद्य भवनों के संन्दर्भ में भी एक आवेदन दिया था जो कि इस आवेदन के साथ संलग्न है। पूर्व में दिये गये आवेदन में लेख था की ÷परासरी नदी के किनारे बने शशीकांता जैन पत्नि श्री विष्णु कुमार जैन के बहु मंजिला इमारत के साथ बरेठ रोड स्थित कांता देवी जैन धूम कलेक्शन, किरण जैन मीनू जनरल स्टोर के संचालक द्वारा बरेठ रोड पर निर्मित भवन, लालपठार पहुँच मार्ग पर बनी पुलिया पर निर्मित भवन जितेन्द्र आसोपा सहित शहर के अनेक भवन मध्यप्रदेश भूमि विकास नियम 2012 का उलंघन करते हुए निर्माण किये गये है। इस नियम के 50ख में स्पष्ट निहित है कि यदि स्थल जलनिकाय/जल स्त्रोत के उच्चतम जल स्तर से नौ मीटर व नदी के मामले में 15 मीटर की दूरी के भीतर हो या जैसा की विकास रेखांक में निहित हो उस स्थल पर किसी भी प्रकार की भवन की अनुमति नही दी जा सकती है उक्त विषय में निवेदन है कि वर्तमान में चल रही अतिक्रमण के विरूद्ध मुहीम में इन अवैद्य भवनों पर भी नियम अनुसार कार्यवाही की जाएं आवेदन सौंपने बालों में अमित शुक्ला, गगन दुवे, राजा छरी, मुकेश सेन, नयन दीप शिल्पकार, लक्ष्मी नारायण चौबे, सौरभ जैन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 2.4 लाख की सहायता राशि स्वीकृत

छतरपुर। म.प्र.शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा छतरपुर जिले के गंभीर बीमारी से पीड़ित 6 लोगों को बेहतर उपचार के लिए मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से हितग्राहियों को 2.4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। हितग्राही रामपाल सिंह बुंदेला निवासी विक्रमपुर को 25 हजार, नरेंद्र कुमार व्यास निवासी वार्ड नं.22 राजनंदिनी पुरम कॉलोनी को 25 हजार, सियाराम यादव ग्राम छिवलहापुरवा पोस्ट छठी बम्होरी को 25 हजार, श्रीपत पटेल निवासी ग्राम पुछी को 45 हजार, कामनी संसिया निवासी वार्ड नं.5 बिजावर को 75 हजार, प्रज्ञा देवी निगम ग्राम निधौली पोस्ट पहरा जिला छतरपुर को 45 हजार की आर्थिक सहायता राशि दी गई है।

राजेंद्र क्लब ने सिंसियर क्लब को 6 विकेट से हराया

इटारसी //क्रिकेट संघ के तत्वाधान में एकलव्य इंटरनेशनल स्कूल द्वारा आयोजित अंडर 15 लेदर बॉल क्रिकेट लीग प्रतियोगिता का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने किया।

इटारसी। इटारसी क्रिकेट संघ के तत्वावधान में एकलव्य इंटरनेशनल स्कूल द्वारा आयोजित यू 15 लेदर बाल लीग क्रिकेट टूर्नामेंट आज से प्रारंभ हुआ। एकलव्य इंटरनेशनल स्कूल मैदान पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में आज़ उद्घाटन मैच राजेन्द्र क्लब और सिंसियर क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। राजेन्द्र क्लब ने यह मैच 4 विकेट से जीत लिया। आकाश, आदित्य अंसुमन ने क्रमशः 14,13,10 रन बनाये और टीम 100 रनो पर 20 ओवर में आल आउट हो गई। राजेन्द्र क्लब ने 6 विकेट पर 102 रन बनाकर मैच जीत लिया। दिव्यांश गालर ने 29, काव्य प्रजापति 23 और कौशिक ने 18 रन बनाए। मेन आफ द मैच राजेन्द्र क्लब के अंकुश सराठे को दिया गया, जिन्होंने 4 रन देकर 4 विकेट लिए। इससे पहले टूर्नामेंट का उद्घाटन नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे द्वारा किया गया। इटारसी क्रिकेट संघ के अध्यक्ष श्री सत्येन्द्र पाल जग्गी, कार्यकारिणी अध्यक्ष अनिल राठी,जितेन्द्र ओझा, सुनील औरंगाबादकर, अमित जायसवाल,रीतेश पटेल, चेतन राजपूत, कुलदीप रघुवंशी ,पीटी टीचर सोनू पटेल आदि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। सभी पत्रकार गण भी मैच में उपस्थित थे। आज के अंपायर राजीव दुबे, हरीश हनोतिया और स्कोरर कपिल सिंगारे तथा इरफान अली थे।

मप्र में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू कराने जिला मुख्यालय में पत्रकारों ने शुरू किया धरना.

नरसिंहपुर. पत्रकारों को लोकतंत्र के चौथा स्तंभ कहा तो जाता है लेकिन शायद मध्यप्रदेश मे शायद सरकार द्वारा माना नहीं जा रहा है जिससे देश भर के कई प्रदेशों मे पत्रकार सुरक्षा कानून लागू कर दिया गया है लेकिन मध्यप्रदेश सरकार द्वारा इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है. पत्रकार को अपनी ख़बरों से काफी लगाव होता है कई बार या ज्यादातर कठिन से कठिन ख़बरों को समाज के सामने प्रस्तुत करने के लिए किसी भी ओहदे से टकराने मे थोड़ी सी भी झिझक नहीं रखता है अनेकों बार हर वर्ग के लोग शासन प्रशासन पुलिस या असामाजिक तत्वों से परास्त होने के बाद पत्रकारों से अपनी समस्या से निदान के आसार ढूंढता है. लेकिन जब पत्रकार द्वारा कठिन से कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए खबर तैयार कर अपने अखबार या चेनल पर समाज के सामने परोसता है तो विरोधी साम दाम दण्ड भेद की अपनी पूरी ताकत पत्रकारों पर झोंकने लगते हैं. जिससे कई बार पत्रकारों को डराया धमकाया जाता है उन पर हमले भी किए जाते हैं कई बार तो उन पर झूठे मुकदमे तक मढ दिए जाते हैं. उनकी संपत्ति तक राजस्व विभाग या स्थानीय निकायों के साथ मिलकर कानूनी पचड़ों मे तक उलझा दी जाती हैं. जिससे पत्रकारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. और फिर पत्रकारों को ख़बरों से ध्यान हटाकर उनके द्वारा खड़ी की गई अपनी व्यक्तिगत समस्या मे ही उलझने लगता है. आए दिन किसी न किसी पत्रकार के साथ ऐसी ही किसी न किसी समस्याओं का सामना करने मजबूर होना पड़ रहा है. मप्र में लगातार पत्रकारों को धमकी देने व जानलेवा हमले के खिलाफ एक जुट होकर संयुक्त पत्रकार मोर्चा नरसिंहपुर के तत्वाधान मे नरसिंहपुर जिले के समस्त पत्रकारों द्वारा अपनी जानमाल की सुरक्षा की माँग रखते हुए मध्यप्रदेश मे पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने जिले भर के पत्रकारों द्वारा जनपद मैदान नरसिंहपुर मे अनिश्चित कालीन धरना दिया जा रहा है. जिसमें जिले भर के पत्रकारों के द्वारा सहभागिता कर पुरजोर समर्थन किया जा रहा है

स्कूली विद्यार्थियों के साथ अधिकारियों ने किया राष्ट्रगीत, एवं मध्यप्रदेश गान का गायन

दमोह÷नया साल एक अवसर देता हैं कि आप अपने बारे में भी सोचना शुरू करें, मैं सुबह जल्दी इसीलिए उठता हूँ ताकि सुबह का समय मैं अपने आपको दे सकूं। इन सब बातों पर यदि हम काम करना शुरू करते हैं तो सही मायने में नया साल का उत्साह हमारे लिए सार्थक होगा। इस आशय की बात कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रतिमाह के प्रथम कार्य दिवस पर राष्ट्रगीत ÷वंदेमातरम÷, मध्यप्रदेश गान एवं राष्ट्रगान ÷जनगण मन÷ गायन कार्यक्रम के दौरान कही। इस अवसर पर अपर कलेक्टर मीना मसराम, संयुक्त कलेक्टर अविनाश रावत, डिप्टी कलेक्टर बृजेश सिंह राजपूत, एसडीएम तेंदूखेड़ा सौरभ गंधर्व, एसडीएम पथरिया निकेत चौरसिया, एसडीएम हटा राकेश सिंह मरकाम सहित अन्य विभाग प्रमुख, अधिकारी-कर्मचारीगण मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, (यांत्रिकी शाखा), भोपाल

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांकी 55/याँ.वि./25 भोपाल, दिनांक 2/1/2025

निम्न कार्य हेतु म.प्र. लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारो से आनलाईन निविदा आंमत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण 2द्दड्ड-site https://www.mptenders.gov.in पर है।

क्रं.	निविदा क्र.	कार्य का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत	निविदा क्रय करने का अंतिम दिनांक	समय
1	2024_UAD_384424_2	LAYING OF PAVER BLOCK INFRONT OF MISHRA TEANT HOUSE NEAR CHAKKI CHOURAHA WARD 31 ZONE 07 SECOND CALL	564816	09.01.2025	05.30

नोट - संशोधन केवल वेबसाईट पर ही देखे जा सकेंगे, समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं होंगे।

नि.क्र. 1035/024/025

कार्यपालन यंत्री (सिविल)
नगर निगम, भोपाल

सोशल मीडिया से

#	प्रदेश	नाम	दायित्व
1	अंडमान और निकोबार	श्रीमती तमिलिसाई सुंदरराजन	पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, तमिलनाडु
2	आंध्र प्रदेश	श्री पी.सी. मोहन	सांसद, कर्नाटक
3	अरुणाचल प्रदेश	श्री सर्बानंद सोनोवाल	केंद्रीय मंत्री
4	असम	श्री गजेंद्र सिंह शेखावत	केंद्रीय मंत्री
5	बिहार	श्री मनोहर लाल खट्टर	केंद्रीय मंत्री
6	चंडीगढ़	सरदार नरिंदर सिंह रैना	राष्ट्रीय मंत्री, विधायक
7	छत्तीसगढ़	श्री विनोद तावड़े	राष्ट्रीय महामंत्री
8	दादरा और नगर हवेली & दमन और दीव	डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल	राष्ट्रीय महामंत्री, सांसद/राज्यसभा
9	गोवा	श्री सुनील बंसल	राष्ट्रीय महामंत्री
10	गुजरात	श्री भूपेंद्र यादव	केंद्रीय मंत्री
11	हरियाणा	श्री अरुण सिंह	राष्ट्रीय महामंत्री
12	हिमाचल प्रदेश	डॉ. जितेंद्र सिंह	केंद्रीय राज्य मंत्री
13	जम्मू एवं कश्मीर	श्री संजय भाटिया	पूर्व सांसद, हरियाणा
14	कर्नाटक	श्री शिवराज सिंह चौहान	केंद्रीय मंत्री
15	केरल	श्री प्रल्हाद जोशी	केंद्रीय मंत्री
16	लद्दाख	श्री जयराम ठाकुर जी	नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश
17	लक्षद्वीप	श्री पोन. राधाकृष्णन	पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री
18	मध्य प्रदेश	श्री धर्मेंद्र प्रधान	केंद्रीय मंत्री
19	मेघालय	श्री जॉर्ज कुरियन	केंद्रीय राज्य मंत्री
20	मिजोरम	श्रीमती वनाथि श्रीनिवासन	राष्ट्रीय अध्यक्ष, महिला मोर्चा
21	नागालैंड	श्री वी. मुरलीधरन	पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री
22	ओडिशा	डॉ. संजय जायसवाल	सांसद, बिहार
23	पुडुचेरी	श्री तरुण चुघ	राष्ट्रीय महामंत्री
24	राजस्थान	श्री विजयभाई रूपाणी	पूर्व मुख्यमंत्री, गुजरात
25	सिक्किम	श्री किरण रिजिजू	केंद्रीय मंत्री
26	तमिलनाडु	श्री जी. किशन रेड्डी	केंद्रीय मंत्री
27	तेलंगाना	कुमारी शोभा करंदलाजे	केंद्रीय राज्य मंत्री
28	त्रिपुरा	श्री जुएल ओराम	केंद्रीय मंत्री
29	उत्तर प्रदेश	श्री पीयूष गोयल	केंद्रीय मंत्री

एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने दुबई की सहायक कंपनी एसओए इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेडिंग एलएलसी में निवेश पूरा किया

मुंबई, एजेंसी। एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीएसई-532850, एनएसई), जो एलईडी वीडियो डिस्प्ले के डिजाइन, विकास और निर्माण में वैश्विक स्तर पर अग्रणी है, ने दुबई स्थित अपनी सहायक कंपनी एसओए इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेडिंग एलएलसी में 51 करोड़ के निवेश को पूरा करने की घोषणा की है। यह सहायक कंपनी इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के स्पेयर पार्ट्स ट्रेडिंग में कार्यरत है। हाल ही में कंपनी को जीपीएस आधारित पब्लिक एड्रेस एंड पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम और एसी एवं नॉन-एसी रेलवे कोचों में एलईडी डेस्टिनेशन बोर्ड्स के लिए क्षमता एवं योग्यता मूल्यांकन (कैपेसिटी कम कैपबिलिटी असेसमेंट) की स्वीकृति प्राप्त हुई। इसके अलावा, कंपनी ने एमआईसीके डिजिटल इंडिया लिमिटेड नामक एक पुरे मालिकाना हक वाली सहायक कंपनी का गठन किया है। यह सहायक कंपनी सभी प्रकार के स्मार्ट मीटर, डिजिटल मीटर, रूफ माउंटेड एसी पैकेज यूनिट्स , इंटीग्रेटेड पावर सप्लाई सिस्टम, मिनी कंप्यूटर, माइक्रोप्रोसेसर आधारित सिस्टम और कंप्यूटर पेरिफेरल्स के निर्माण और व्यापार के लिए कार्य करेगी।

मर्क्यूरी ईवी टेक लिमिटेड ने डीसी 2 मर्क्यूरी कार्स प्राइवेट लिमिटेड में 69.84 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी

मुंबई, एजेंसी। मर्क्यूरी ईवी टेक लिमिटेड (बीएसई- 531357), जो इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन में एक प्रमुख कंपनी है, ने डीसी2 मर्क्यूरी कार्स प्राइवेट लिमिटेड और अनुराधा बी. छाबड़िया (विक्रेता) के साथ शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी 25,00,000 इक्विटी शेयरों में से 69.84 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। इस अधिग्रहण के बाद, लक्षित कंपनी को अधिग्रहक की सहायक कंपनी माना जाएगा। डीसी2 मर्क्यूरी कार्स मुख्य रूप से यात्री कारों, स्पोर्ट्स कारों और कारों के संशोधन का डिज़ाइन करती है। कंपनी के मुख्य डिज़ाइनर श्री दिलीप छाबड़िया (डीसी) के होने के कारण, उनकी कारों के डिज़ाइन में विशेषज्ञता मर्क्यूरी ईवी-टेक लिमिटेड के लिए उनके असाधारण कौशल का एक सजीव उदाहरण बनेगी। डीसी मर्क्यूरी कार्स के ब्रांड के तहत यह सहयोग उत्पादों की बाजार में स्वीकृति बढ़ाने और आगामी वर्षों में व्यापार वृद्धि को प्रेरित करने की उम्मीद है। यह रणनीतिक अधिग्रहण मर्क्यूरी ईवी-टेक के उत्पाद पोर्टफोलियो में एक और पहलू जोड़ देगा।

सीआरआई पंप्स ने हासिल की एक बड़ी उपलब्धि

मुंबई, एजेंसी। सी.आर.आई. पंप्स ने अपनी प्रतिबद्धता को स्थिरता और अक्षय ऊर्जा समाधान की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मुकाम पर पहुंचाते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी को आधिकारिक तौर पर महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड , मुंबई, महाराष्ट्र द्वारा 25,000 सोलर पंपिंग सिस्टम की आपूर्ति के लिए शामिल किया गया है। इस ऑर्डर का मूल्य 754 करोड़ रुपये है और यह मागेल त्याला सौर कृषी पंप योजना का हिस्सा है। इस नियुक्ति के साथ, सीआरआई. पंप्स अक्षय ऊर्जा समाधानों को अपनाने को बढ़ावा देने, महाराष्ट्र के कृषि परिदृश्य को सशक्त बनाने और एक हरित एवं अधिक स्थायी भविष्य में योगदान देने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, सीआरआई ग्रुप के चेयरमैन श्री जी. सौंदरराजन ने कहा, हमारे लिए यह सम्मान की बात है कि एमएसईडीसीएल ने इन सोलर पंपिंग सिस्टम की आपूर्ति के लिए हमें चुना है।

सैमसंग को भारत में एसी बिजनेस पर पूरा भरोसा, 2025 में लॉन्च करेगा नए विंड फ्री मॉडल

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के प्रमुख कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने 2025 में एयर कंडीशनर के एक दर्जन से अधिक मॉडल लॉन्च करने की योजना बनाई है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार दक्षिण कोरिया की उपकरण बनाने वाली प्रमुख कंपनी अपने उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ाना चाहती है और भारत में रूम एसी सेगमेंट में एक पसंदीदा ब्रांड बनना चाहती है। सैमसंग के नए एसी मॉडल कंपनी के मालिकाना हक वाले बीस्पोक एआई समाधानों से पावर्ड होंगे और इसके द्वारा उन उपभोक्ताओं को लक्षित किया जाएगा जो प्रीमियम एसी खरीदना चाहते हैं। विश्लेषकों का कहना है कि रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन की श्रेणियों में सैमसंग की बीस्पोक एआई रेंज के घरेलू उपकरणों को भारतीय बाजार में बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और यह सैमसंग को रूम एयर कंडीशनर सेगमेंट में विस्तार करने के लिए एक मजबूत शुरुआत देता है।

ए-वन स्टील्स इंडिया लिमिटेड ने आईपीओ के जरिए 650 करोड़ रुपये तक जुटाने के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई, एजेंसी। ए-वन स्टील्स इंडिया लिमिटेड, जो कच्चे इस्पात की क्षमता के मामले में दक्षिण भारत में शीर्ष 5 (पांच इस्पात उत्पादकों में से एक है, और 10 इस्पात उत्पादों और औद्योगिक उत्पादों का निर्माण करने वाली एकमात्र कंपनी है। (स्रोत- क्रिसिल रिपोर्ट) ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (10 प्रत्येक अंकित मूल्य) के माध्यम से 65,000 लाख [650 करोड़] तक के इक्विटी शेयरों की पेशकश के माध्यम से धन जुटाने की योजना बनाई है। (कुल पेशकश आकार) कुल प्रस्ताव आकार में 60,000 लाख [600 करोड़] तक के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम (ताजा निर्गम) और विक्रय शेयरधारकों द्वारा कुल 5000 लाख [50 करोड़] तक का बिक्री हेतु प्रस्ताव (बिक्री हेतु प्रस्ताव) शामिल है।

महाकुंभ के लिए सुविधा, एमपी से गुजरने वाली 8 ट्रेनों का नैनी में स्टॉपेज

भोपाल। अगर आप प्रयागराज महाकुंभ में जाने की तैयारी कर रहे हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है। महाकुंभ मेले को लेकर रेल प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधाओं और आरामदायक यात्रा को ध्यान में रखते हुए कई ट्रेनों का नैनी जंक्शन पर अस्थायी ठहराव देने का फैसला लिया है। अब महाकुंभ मेले के दौरान भोपाल मंडल से गुजरने वाली कई ट्रेनों का प्रयागराज मंडल के नैनी स्टेशन पर 2 मिनट का स्टॉपेज होगा। यह अस्थायी ठहराव महाकुंभ मेला 2025 के दौरान जनवरी और फरवरी तक रहेगा।

दरअसल, यात्रियों की सुविधाओं को लेकर भारतीय रेलवे लगातार सेवाओं में विस्तार कर रहा है। यात्रियों की बढ़ती मांग के बाद रेलवे ने कई बड़े बदलाव भी किए हैं। आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए रेल प्रशासन लगातार प्रयास कर रहा है। अब रेलवे ने प्रयागराज महाकुंभ में विशाल आयोजन में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बड़ी सुविधा दी है। रेल प्रशासन ने महाकुंभ मेले के दौरान भोपाल मंडल से गुजरने वाली कई प्रमुख ट्रेनों के लिए नैनी स्टेशन पर अस्थायी ठहराव का फैसला किया है। इस फैसले के तहत श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान अधिक सुविधा और आराम मिलेगा। देखें नैनी स्टेशन पर ठहरने वाली ट्रेनों की सूची।

नैनी स्टेशन पर ठहरने वाली ट्रेनों की लिस्ट

1. गाड़ी संख्या 22683 यशवंतपुर-लखनऊ एक्सप्रेस
ठहराव :13 जनवरी से 24 फरवरी 2025 (7 ट्रिप)
समय:12:00 बजे आगमन, 12:02 बजे प्रस्थान
2. गाड़ी संख्या 22684 लखनऊ-यशवंतपुर एक्सप्रेस
ठहराव: 9 जनवरी से 27 फरवरी 2025 (8 ट्रिप)
समय: 01:08 बजे आगमन, 01:10 बजे प्रस्थान
3. गाड़ी संख्या 22613 रामेश्वरम-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस
ठहराव अवधि: 12 जनवरी से 23 फरवरी 2025 (7 ट्रिप)
समय: 21:38 बजे आगमन, 21:40 बजे प्रस्थान
4. गाड़ी संख्या 22614 अयोध्या कैंट-रामेश्वरम एक्सप्रेस
ठहराव : 15 जनवरी से 26 फरवरी 2025 (7 ट्रिप)
समय: 05:43 बजे आगमन, 05:45 बजे प्रस्थान
5. गाड़ी संख्या 12669 पुरातची थलैवर डॉ. एमजी रामचंद्रन (चेन्नई सेंट्रल)-छपरा जंक्शन एक्सप्रेस
ठहराव: 11 जनवरी से 24 फरवरी 2025 (14 ट्रिप)
समय: 01:03 बजे आगमन, 01:05 बजे प्रस्थान
6. गाड़ी संख्या 12670 छपरा-पुरातची थलैवर डॉ. एमजी रामचंद्रन (चेन्नई सेंट्रल) एक्सप्रेस
ठहराव :13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 (14 ट्रिप)
समय: 04:48 बजे आगमन, 04:50 बजे प्रस्थान
7. गाड़ी संख्या 12539 यशवंतपुर-लखनऊ एक्सप्रेस
ठहराव: 8 जनवरी से 26 फरवरी 2025 (8 ट्रिप)
समय: 04:13 बजे आगमन, 04:15 बजे प्रस्थान
8. गाड़ी संख्या 12540 लखनऊ-यशवंतपुर एक्सप्रेस
ठहराव: 10 जनवरी से 21 फरवरी 2025 (7 ट्रिप)
समय: 01:58 बजे आगमन, 02:00 बजे प्रस्थान

रक्सौल-एलटीटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन कैंसिल

इधर, रेल प्रशासन ने अपरिहार्य कारणों से गाड़ी संख्या 05557/05558 रक्सौल-एलटीटी-रक्सौल सुपरफास्ट साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन को कैंसिंल करने का फैसला लिया है। यह ट्रेन भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन से होकर गुजरती है। इस ट्रेन के रद्द होने से यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है।

ट्रेन की 6 ट्रिप कैंसिल

गाड़ी संख्या 05557 रक्सौल-एलटीटी सुपरफास्ट साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 14 जनवरी 2025 से 28 जनवरी 2025 तक (3 ट्रिप) कैंसिल रहेगी

गाड़ी संख्या 05558 एलटीटी-रक्सौल सुपरफास्ट साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन16 जनवरी 2025 से 30 जनवरी 2025 तक (3 ट्रिप) कैंसिल रहेगी।

रेलवे ने यात्रियों से किया अनुरोध

रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे यात्रा की योजना बनाते समय रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा (ह्ज्ञश्चस/139) का उपयोग कर गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी प्राप्त करें। यात्रियों को यह सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाते समय रद्द की गई ट्रेनों के बारे में सही जानकारी प्राप्त कर लें ताकि यात्रा में कोई परेशानी न आए।

एपीजे इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन में एमेरिटस प्रोफेसर बने डॉ. के.जी. सुरेश

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) के.जी. सुरेश अब नई दिल्ली स्थित एपीजे इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन एमेरिटस प्रोफेसर बन गए हैं।डॉ. के.जी. सुरेश को पत्रकारिता के साथ ही मीडिया सलाहकार के रूप में काम करने का काफी अनुभव है। वह 'भारतीय जनसंचार संस्थान' (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक भी रह चुके हैं। इसके अलावा वह दूरदर्शन समाचार में वरिष्ठ परामर्श संपादक, एशियानेट न्यूज नेटवर्क में संपादकीय सलाहकार, प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया में मुख्य राजनीतिक संवाददाता, डालमिया भारत एंटरप्राइजेज लि. में ग्रुप मीडिया सलाहकार, ग्लोबल फ़ाउंडेशन फ़ॉर सिविलाइज़ेशन हार्मनी (इंडिया) में निदेशक के साथ ही विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन में वरिष्ठ फेलो, संपादक और प्रवक्ता भी रह चुके हैं।

केजी सुरेश ने दिल्ली विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में बी.ए (ऑनर्स) के साथ ही भारतीय विद्याभवन से पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा किया है। इसके अलावा उन्होंने हरियाणा में हिसार की गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी से जनसंचार में स्नातकोत्तर की पढ़ाई की है। उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से सार्वजनिक स्वास्थ्य पत्रकारिता में प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम भी किया है। उल्लेखनीय कार्यों के लिए केजी सुरेश को तमाम पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। वह राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम, एशिया द्वारा शांति के लिए राष्ट्रमंडल युवा राजदूत नामित हो चुके हैं। उन्हें पीआरएसआई लीडरशिप अवॉर्ड (जनसंपर्क में उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्वोच्च पुरस्कार) से सम्मानित किया जा चुका है। दिसंबर 2017 में उन्हें आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आयोजित 39 वें अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन में सम्मानित किया जा चुका है।

नवंबर 2018 में उन्हें बिजनेस वर्ल्ड मैगजीन और एक्सचेंज 4मीडिया द्वारा स्थापित मीडिया शिक्षा में विजनरी लीडर पुरस्कार भी दिया जा चुका है। उन्हें केंद्रीय हिंदी संस्थान, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पत्रकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। इसके अलावा एकता, भाईचारा और सांप्रदायिक सद्भाव के लिए पहला ख्वाज़ग़रीब नवाज़ पुरस्कार भी उन्हें मिल चुका है। ह्ढ्ढस्ष्टह्लञ्ज मीडिया स्कूल और यूरेका प्रकाशन द्वारा मीडिया शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से भी उन्हें सम्मानित किया जा चुका है।

प्रमुख भारतीय और अंतरराष्ट्रीय समाचार पत्रों, शोध पत्रिकाओं और वेबसाइटों में उनके लेख, शोध लेख, साक्षात्कार और कॉलम प्रकाशित होते रहते हैं। भारतीय और अंतरराष्ट्रीय टेलीविजन पर कई टेलीविजन साक्षात्कार और पैनल चर्चा में वह शामिल रह चुके हैं। इसके अलावा ढ्ढढ्ढस्ष्ट के पीयर रिव्यूड जर्नल कम्युनिकेटर और संचार माध्यम के एडिटर-इन-चीफ़ (2016-2019) भी रह चुके हैं।

एनएमडीसी ने दिसंबर माह में उत्पादन का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया

हैदराबाद, एजेंसी। वित्त वर्ष 25 में 50 मीट्रिक टन उत्पादन के मील के पत्थर तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध सरकारी खनिक एनएमडीसी ने स्थापना के बाद से अब तक दिसंबर महीने का अपना सर्वश्रेष्ठ उत्पादन दर्ज किया। एनएमडीसी ने दिसंबर 2024 में 4.71 एमटी उत्पादन किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 5.13 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, और 3.91 एमटी बिक्री बिक्री दर्ज की।

कंपनी ने कैलेंडर वर्ष 2024 के अंत तक 30.77 एमटी का संचयी उत्पादन और 31.80 एमटी की संचयी बिक्री की सूचना दी। पिछले वर्ष की तुलना में संचयी आंकड़ों में मामूली गिरावट के बावजूद, तीसरी तिमाही में एनएमडीसी के असाधारण प्रदर्शन ने समग्र गति को बनाए रखा और एक आशाजनक चौथी तिमाही का संकेत दिया। तीसरी तिमाही में 13.29 एमटी का उत्पादन कंपनी के इतिहास में तीसरी तिमाही का सबसे अधिक उत्पादन है जो परिचालन उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करता है।

इस प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए एनएमडीसी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) श्री अमिताभ मुखर्जी ने कहा, हमने स्थिर प्रदर्शन के साथ मानसून की मंदी और कीमतों में गिरावट को पार कर लिया है। लौह अयस्क का उत्पादन निरंतर बढ़ रहा है और इस क्षेत्र की संरचनात्मक और परिवर्तनशील उतार-चढाव के समक्ष इस प्रगति से भारत के खनन उद्योग की संभावनाओं को मूर्तरूप देने में हमारी भूमिका मजबूत हुई है। अपने उत्पादन और विस्तार आकांक्षाओं के बीच सामंजस्य बनाना जारी रखते हुए,चौथी तिमाही के लिए हमारी अपेक्षाएं काफी अधिक हैं। इस प्रदर्शन ने हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाया है और वित्त वर्ष 2025 में मील के नए पत्थर हासिल करने के संकल्प को मजबूत किया है।

सोनाटा पेश करते हैं नया स्लीक कलेक्शन

मुंबई , एजेंसी। भारत के अग्रणी वॉच ब्राण्ड सोनाटा ने अपनी आइकोनिक स्लीक सीरीज़ के छठे संस्करण -स्लीक कलेक्शन का अनावरण किया। यह नया लॉन्च भव्यता और इनोवेशन को नया आयाम देने की सोनाटा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, इसके साथ कंपनी अपने इतिहास में सबसे स्लिम मैन्स वॉचकेस लेकर आई है। बोल्ड नई पहचान और सोच-समझ कर बनाई गई रेंज के साथ यह कलेक्शन आज के युवा प्रोफेशनल्स की पसंद को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है। अरबन एवं सब-अरबन प्रोफेशनल्स के लिए पेश किया गया स्लीक कलेक्शन सदाबहार डिज़ाइन के साथ आधुनिकता का बेहतरीन संयोजन है।

उद्योग जगत की रिपोर्ट के अनुसार भारतीयों में मध्यम कीमत वाली घड़ियों की मांग तेज़ी से बढ़ रही हैं, जो स्टाइल के साथ-साथ पैसा वसूल भी हों। सोनाटा का नया स्लीक कलेक्शन इसी मांग को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है जो किफ़ायती दाम में शिक लुक देता है। अल्ट्रा-स्लिम 6.05 एमएम प्रोफाइल, डिश कन्स्ट्रक्टेड बॉटम के साथ ये घड़ियां कलाई पर खूबसूरती से फिट हो जाती हैं। इस कलेक्शन की घड़ियों में मैटल, लैदर और मैश स्ट्रैप के विकल्प हैं जो युवा मिलेनियल्स, जेन ज़ी प्रोफेशनल्स की जीवनशैली के साथ बखूबी मैच करते हैं। भव्यता और व्यवहारिकता के बीच तालमेल बनाते हुए यह कलेक्शन आज के ट्रेंडी प्रोफेशनल्स की महत्वाकांक्षाओं पर खरा उतरता है और उनके पसंदीदा ब्राण्ड के रूप में सोनाटा की स्थिति को मजबूत बनाता है।

नए कलेक्शन पर बात करते हुए श्री प्रतीक गुप्ता, हैड ऑफ ब्राण्ड, सोनाटा ने कहा, ''नए स्लीक कलेक्शन के लॉन्च के साथ हम सोनाटा की इनोवेशन एवं उत्कृष्टता की यात्रा को एक कदम और आगे ले गाए हैं। आज के प्रोफेशनल्स की पसंद को ध्यान में रखते हुए यह कलेक्शन डिज़ाइन किया गया है, जो स्टाइल और व्यवहारिकता के बीच बेहतरीन संयोजन है। सोनाटा में हम ऐसी घड़ियों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, जो न सिर्फ व्यक्तिगत स्टाइल में निखार लाएं बल्कि हमारे उपभोक्ताओं की व्यस्त जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा भी बन जाएं।'

अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित होंगे एमपी के कपिल परमार और रुबीना फ्रांसिस

मध्य प्रदेश के दो पैरालंपिक खिलाड़ियों, रुबीना फ्रांसिस और कपिल परमार, को भारत के प्रतिष्ठित खेल पुरस्कार अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। इस उपलब्धि पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन किया है, और उनके समर्पण और मेहनत ने उन्हें यह सम्मान दिलवाया है।

रुबीना और कपिल का योगदान

रुबीना फ्रांसिस, जो जबलपुर की निवासी हैं, उन्होंने भोपाल स्थित एमपी शूटिंग अकादमी से कई वर्षों तक ट्रेनिंग ली है। वे पेरिस पैरालंपिक 2024 में 10 मीटर एयर पिस्टल स॥1 इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वालीं एमपी की पहली खिलाड़ी बनीं। वहीं, कपिल परमार, जो सीहोर के निवासी हैं, पेरिस पैरालंपिक 2024 में 5 सितंबर को मेंस के 60 किग्रा छ्व1 वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर जूडो में पैरालंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं।

हमारे खिलाड़ी, हमारा मान

भारत सरकार द्वारा मध्यप्रदेश खेल अकादमी के खिलाड़ी पैरालम्पिक पदक विजेता पैरा शूटर सुश्री रुबीना फ्रांसीस और पैरा जुडो एथलीट श्री कपिल परमार को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा।

खेल मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार की घोषणा

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने 2024 के राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की घोषणा की है। पुरस्कारों की घोषणा के बाद, 17 जनवरी, 2025 को राष्ट्रपति भवन में एक विशेष समारोह में राष्ट्रपति विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करेंगी। अर्जुन अवार्ड उन खिलाड़ियों को दिया जाता है जिन्होंने पिछले चार वर्षों में खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन, नेतृत्व, खेल कौशल, और अनुशासन दिखाया हो।

अर्जुन अवार्ड के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे, और खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और संस्थाओं को पोर्टल के माध्यम से आवेदन करने की अनुमति दी गई थी। इस वर्ष पुरस्कारों के लिए बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनका चयन न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) वी. रामसुब्रमण्यम की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने किया। इस समिति में प्रख्यात खिलाड़ी, खेल पत्रकारिता में अनुभव रखने वाले व्यक्ति, और खेल प्रशासक शामिल थे।

लहलहाते सरसो के खेत देख खुद को नही रोक पाए बॉलीवुड एक्टर ,वीडियो बनाने पर हो गए मजबूर

रीवा: बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता रजा मुराद को विन्ध्य के रीवा जिले के लहलहाते सरसों के खेत इतने भा गए की वो खुद को नही रोक पाए ओर वीडियो बनाने पर मजबूर हो गए इतना ही नही जमकर तारीफ भी करते नजर आए हैं।

इसके साथ ही रीवा के सोहागी में युवाओं के साथ चाय की चुस्की भी लेते नजर आए हैं। रजा मुराद रीवा से होकर इलाहाबाद के लिए गुजर रहे थे तभी वे कार से नीचे उतरे और यहां की खेतों की खूबसूरती निहार कर जमकर तारीफ की। रजा मुराद ने खुद खेत के साथ सेल्फी कैमरे से वीडियो बनाया और जमकर तारीफ की।

इलाहाबाद का कर रहे थे सफर

गुरुवार को मशहूर फिल्म अभिनेता रजा मुराद सीधी जिले से किसी कार्यक्रम में शरीक होने के बाद उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में कुंभ स्नान करने के लिए एमपी यूपी बॉर्डर से होकर गुजर रहे थे। जैसे ही उनका काफिला सोहागी क्षेत्र से गुजरा तो सड़क किनारे उन्हें सरसों के खेत दिखाई दिए। ये नजारा देखकर वे खुद को नहीं रोक पाए, तत्काल उन्होंने अपना काफिला रुकवाया और कार से नीचे उतरकर सरसों के खेतों की तरफ निहारते रहे।

अभिनेता देख उमड़ी युवाओं की भीड़

देखते ही देखते वहां पर युवाओं की भीड़ लग गयी, अभिनेता मुराद ने युवाओं के साथ में चाय की चुस्की भी ली इसके बाद खुद का विडियो बनाते हुए एमपी-यूपी सहित विंध्य की खूबसूरती की जमकर तारीफ की। देखते ही देखते फिल्म अभिनेता रजा मुराद से मिलने के लिए युवाओं की भीड़ लग गई। युवाओं ने रजा मुराद के साथ खुद को मोबाइल कैमरे में कैद किया।

इस दौरान अभिनेता रजा मुराद ने भी युवाओं के साथ चाय की चुस्की का आनंद उठाया। फिल्म अभिनेता रजा मुराद के द्वारा फेसबुक में लाइव की गई वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है।

बॉलीवुड के एक्टर अपने लाइव वीडियो में जहा एक ओर विन्ध्य की तारीफ की तो वही दूसरी ओर विन्ध्य वाशियो सहित अपने चाहने वालो को नए वर्ष की शुभकामनाएं दी इसके साथ ही उनके स्वास्थ्य और भविष्य को लेकर कामना भी की है।

ग्रामीणों को समुचित सुलभ इलाज की सुविधाए गांव में ही उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य है:विधायक सुदेश राय

4 करोड़ चौरासी लाखे से श्यामपुर , बिजौरी , जमोनिया , रावनखेड़ा ,शेखपुरा और सिराड़ी में बनाए जा रहे है अस्पताल

सीहोर। विधायक सुदेश राय ने विधानसभा क्षेत्र के श्यामपुर,बिजौरी,जमोनिया खुर्द, रावन खेड़ा, शेखपुरा और सिराड़ी के ग्रामीणों को बड़ी सौगात प्रदान की है। जन स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए विधायक द्वारा भेजे गए प्रस्ताव के बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और स्वास्थ्य विभाग के मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल के द्वारा अस्पताल और उप स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। श्यामपुर में 50 बिस्तर वाले अस्पताल भवन का निर्माण एक करोड़ 59 लाख रूपये से किया जा रहा है। बिजौरी, जमोनिया खुर्द, रावन खेड़ा, शेखपुरा और सिराड़ी ग्राम पंचायत में बनाऐं जा रहे उप स्वास्थ्य केंद्र भवनों पर तीन करोड़ 25 लाख रूपये की राशि खर्च होगी। प्रत्येक उप स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण के लिए 65 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई है।

गांवों में अति आवश्यक उप स्वास्थ्य केंद्र भवनों के निर्माण की स्वीकृति शासन से मिलने के उपरांत गुरूवार को जनपद सदस्यों सरपंचों और ग्रामवासियों के मध्य विधायक सुदेश राय ने कहा की ग्रामीणों को समुचित सुलभ इलाज की सुविधाऐं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध कराना हमारा परम लक्ष्य है। गांवों में ग्रामीणजनों को प्राथमिक चिकित्सा सुविधा मिलती है तो ग्रामीणों को इलाज के लिए कहीं दूर नही जाना पड़ेगा। उन्होने कहा की श्यामपुर में बनकर तैयार होने वाला 50 बिस्तरों का अस्पताल काफी लाभ दायक सिद्ध होगा।

श्यामपुर और आसपास के गांवों के रहवासियों को तो इसका लाभ मिलेगा। इसके साथ ही हाईवे पर हादसों में घायल होने वाले वाहन चालकों यात्रियों को तत्काल इलाज की सुविधा भी प्राप्त होगी। पहले कम बेडों के कारण डॉक्टर, नर्स, वॉड बॉय सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को काफी परेशानियों का सामना करना होता था। विधायक सुदेश राय ने कहा की अस्पताल भवन निर्माण के बाद चिकित्सा सुविधाओं का लाभ भी जल्दी ग्रामवासियों को मिलेगा। विधायक सुदेश राय ने कहा की जल्दी ही अन्य ग्राम पंचायतों में भी उप स्पास्थ्य केंद्र भवन निर्माण कराए जाने के प्रस्ताव सशासन को भेजे गए है।

मुख्य चिकित्सा एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सुधीर डेहरिया ने बताया की निर्माण एजेंसी के द्वारा सभी उप स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माणकार्य शुरू कर दिया गया है। विभागीय मापदंडों के अनुसार भवन बनाऐं जा रहे है। मरीजों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है।

लखनवाड़ा पुलिस ने अवैध शराब परिवहन करते पकड़ा अर्टिगा वाहन

सिवनी। जिले के थाना लखनवाड़ा में बीते 31 दिसंबर को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम जैतपुरकलां में अज्ञात व्यक्ति अर्टिगा वाहन क्रमांक एमएच 47 एक्स 5225 से अवैध शराब का परिवहन करते हुये ले जा रहा है। उक्त सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिला पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जी.डी. शर्मा के निर्देशन में नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती पूजा पाण्डे के कुशल नेतृत्व में थाना प्रभारी लखनवाड़ा द्वारा तत्काल एक टीम गठित कर मुखबिर की सूचना पर जैतपुरकलां में घेराबंदी कर अर्टिगा वाहन एमएच 47 एक्स 5225 को रोका गया। अर्टिगा वाहन चालक अर्टिगा वाहन क्रमांक एमएच 47 एक्स 5225 को मौके से छोड़कर भाग गया। मौके पर अर्टिगा वाहन की तलाशी लेने पर वाहन में 18 पेटी देशी एवं 01 पेटी अंग्रेजी शराब कुल 19 पेटी शराब शीलबंद कुल 167 लीटर अवैध शराब तथा अर्टिगा वाहन क्रमांक एमएच 47 एक्स 5225 को विधिवत् जप्त किया गया। वाहन चालक के संबंध में पतारसी की गई वाहन कपिल बघेल पिता सुनील बघेल 25 वर्ष निवासी ग्राम टिकारी थाना बण्डोल हाल ईश्वर नगर थाना कोतवाली चला रहा था। कपिल बघेल मौके से फरार है जिसकी पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है।

उक्त कार्यवाही में उप निरी. प्रमोद भारद्वाज थाना लखनवाड़ा, सउनि महेन्द्र सिंह चौधरी, कार्य. सउनि. हरिओम भारद्वाज, कार्य. प्र.आर. ललित मरकाम, आरक्षक नीरज दुबे, गोविन्द डेहरिया का योगदान रहा।

अरोहन फाइनेंशियल सर्विसेज द्वारा मप्र में स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन

अग्रणी एनबीएफसी एमएफआई, अरोहन फाइनेंशियल सर्विसेज, एक एनजीओ के साथ मिलकर दिसंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच मध्य प्रदेश के 20 स्थानों पर स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य पिछड़े वर्ग पर रहने वालो के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है, जहां गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच सीमित है। इस पहल के तहत अरोहन फाइनेंशियल सर्विसेज द्वारा छिंदवाड़ा, मंडला, अलीराजपुर, अनूपपुर, कटनी, शिवपुरी, रायसेन, झांसी, सिंधी, सीहोर, शहडोल, देवास, झाबुआ, धार, सतना, पन्ना और हरदा जैसे जिलों में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, बीएमआई जांच आदि जैसी बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी। जिन व्यक्तियों में सामान्य बीमारियां पाई जाएंगी, उन्हें आवश्यक दवाइयां दी जाएंगी, जबकि विशेष उपचार की आवश्यकता वाले मरीजों को जिला सरकारी अस्पतालों में भेजा जाएगा। आगे चलकर, अरोहन 151 स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन करेगा, जिसमें बिहार, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, असम, त्रिपुरा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल मेंलोगों की जांच की जाएगी। यह पहल सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं की शीघ्र पहचान और प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने और समुदायों को सशक्त बनाने का प्रयास करेगी।

यह कार्यक्रम स्वास्थ्य सेवाओं की कमी को दूर करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है कि सबसे दूरस्थ और वंचित समुदाय भी समय पर और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाओं तक पहुंच सकें। निवारक देखभाल को प्राथमिकता देकर और शीघ्र निदान को बढ़ावा देकर, यह पहल भारत के लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण पर एक स्थायी प्रभाव डालने के लिए तैयार है।

न्यूज ब्रीफ

पीएमएफएमई योजना से मिला लाभ, अब सुनील ने बढ़ाया अपना बेकरी उद्योग

शिवपुरी। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना से लाभांवित होकर विकासखण्ड शिवपुरी के ग्राम बडोदी निवासी हितग्राही सुनील कुमार गुप्ता बेकरी का संचालन कर रहे है। इसमें वह टोस्ट का उत्पादन कर रहे हैं। इनकी इकाई लागत 10 लाख रूपये तथा अनुदान राशि 3.50 लाख रूपये है।सुनील कुमार गुप्ता ने बताया कि वह पहले से ही बेकरी का काम करते थे, जिसमे प्रतिमाह कम आय प्राप्त होती थी लेकिन सहायक संचालक उद्यान शिवपुरी एवं जिला रिसोर्स पर्सन शिवपुरी द्वारा उद्यानिकी विभाग में संचालित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के बारे में जानकारी मिली। जिसमें खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने पर 35 प्रतिशत अनुदान एवं ब्याज दर मे 3 प्रतिशित छूट के बारे में बताया। योजना का लाभ लेने के लिए बैंक के माध्यम से ऋण प्राप्त करने के बारे मे भी बताया। सुनील बताते हैं कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना का लाभ लेने के लिए अपना आवेदन दिया और बैंक से 10 लाख रूपये का ऋण लिया जिसमें उद्यानिकी विभाग द्वारा 35 प्रतिशत अनुदान क्रेडिट लिंक के माध्यम से प्रदाय किया गया। अब प्रतिमाह 70 से 75 हजार रूपये शुद्ध आय प्राप्त हो रही है एवं 12 से 15 लोगों को रोजगार भी मिला है। बेकरी उत्पाद की पैकिंग, मशीन एवं ओवन इस राशि से खरीदी गई जिससे अब अपने बेकरी उत्पाद पैकिंग करके बाजार में विक्रय कर रहा हूं, जिससे मेरी आय में वृद्धि हुई है।

दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को उपकरण प्रदाय किये जाने हेतु चिन्हांकन एवं परीक्षण शिविर आज से

शिवपुरी। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत 26 जनवरी 2025 तक विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं में समस्त पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जाना है। इस अभियान के अंतर्गत शिवपुरी जिले के समस्त विकासखण्डों में निवासरत दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण प्रदाय किये जाने हेतु चिन्हांकन एवं परीक्षण शिविरों का आयोजन 3 जनवरी से 10 जनवरी तक किया जाएगा।

सामाजिक न्याय विभाग की सहायक संचालक नम्रता गुप्ता ने बताया कि जनपद पंचायत पिछोर एवं नगर परिषद पिछोर 3 जनवरी छत्रसाल स्टेडियम पिछोर, करैरा में 4 जनवरी जनपद प्रांगण करैरा, कोलारस में 5 जनवरी को जनपद प्रांगण कोलारस, पोहरी में 6 जनवरी जनपद प्रांगण पोहरी, खनियाधाना 7 जनवरी जनपद प्रांगण खनियाधाना, नरवर में 8 जनवरी जनपद प्रागण नरवर, बदरवास में 9 जनवरी जनपद प्रांगण बदरवास, और शिवपुरी में 10 जनवरी जनपद प्रांगण शिवपुरी में शिविर का आयोजन होगा। निर्धारित तिथियों में आयोजित शिविर में विषय विशेषज्ञों के दल द्वारा दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को कृत्रिम अंग एवं विभिन्न सहायक उपकरण प्रदाय किये जाने हेतु परीक्षण किया जाएगा। दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिक अधिक से अधिक संख्या में शिविर में भाग लें।

स्वामी विवेकानंद के जन्म-दिवस 12 जनवरी को होगा सामूहिक सूर्य-नमस्कार

शिवपुरी। स्वामी विवेकानंद के जन्म-दिवस 12 जनवरी को प्रतिवर्ष युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। युवा दिवस के मौके पर विद्यालयों, महाविद्यालयों और शिक्षण संस्थाओं में सामूहिक सूर्य-नमस्कार का आयोजन किया जाता है। सामूहिक सूर्य-नमस्कार के साथ स्वामी विवेकानंद पर केन्द्रित प्रेरणादायी शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं।स्कूल शिक्षा विभाग ने सामूहिक सूर्य-नमस्कार और इससे जुड़े कार्यक्रमों में स्वयंसेवी संगठनों और आम लोगों की भागीदारी भी सुनिश्चित करने के लिये कहा है। विभाग द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि समस्त विद्यालयीन संस्थाओं में 12 जनवरी को प्रात: 9 से प्रात: 10:30 बजे तक सामूहिक सूर्य-नमस्कार का आयोजन हो। कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत वंदे-मातरम और मध्यप्रदेश गान का सामूहिक गायन होगा। इसी दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का रेडियो पर संदेश प्रसारित होगा। सामूहिक सूर्य-नमस्कार समस्त शिक्षण संस्थाओं में एक साथ, एक संकेत पर किया जायेगा। शिक्षण संस्थाओं में होने वाले सामूहिक सूर्य-नमस्कार में स्थानीय जन-प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। सामूहिक सूर्य-नमस्कार में कक्षा-6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी शामिल होंगे। सामूहिक सूर्य-नमस्कार में शामिल विद्यार्थियों को योग और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के महत्व के बारे में भी बताया जायेगा।

लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर हुई कार्यवाही

सिवनी। आमजनों द्वारा सीएम हेल्प लाईन में दर्ज की जा रही शिकायतों का समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन द्वारा लगातार विभागवार दर्ज होने वाली शिकायतों की विस्तृत समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में गुरूवार 02 जनवरी को कलेक्टर सुश्री जैन द्वारा विभागवार की गई विस्तृत समीक्षा में अधिकारियों द्वारा लापवाही पाये जाने पर संबंधितों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये हैं। जिसमें राजस्व विभाग अंतर्गत दर्ज शिकायतों में अपेक्षित निराकरण न करने को लेकर बरघाट, सिवनी, छपारा, कुरई, घंसौर, धनौरा के सभी राजस्व अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए हैं। इसी तरह छपारा खाद्य निरीक्षक को छोडकर सभी खाद्य निरीक्षकों को भी कारण बताओं नोटिस जारी किया गया।

प्रदेश स्तर पर आयोजित होने वाले समाधान कार्यक्रम के अनुरूप जिले में जिला स्तरीय समाधान कार्यक्रम आयोजित करते हुये कलेक्टर सुश्री जैन ने विभिन्न विभागों की रैंडम शिकायतों की भी समीक्षा की। उन्होंने जिला स्तरीय समाधान में चयनित खाद्य विभाग में दर्ज आवेदन करने के चार माह उपरांत भी राशन पर्ची न मिलने की शिकायत पर खाद्य निरीक्षक प्रतीक तिवारी को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये हैं।

इसी तरह नगर पालिका सिवनी अंतर्गत जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जारी न करने की शिकायत को लेकर नगर पालिका के शाखा प्रभारी को असंचयी प्रभाव से वेतन वृद्धि रोकने का नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए हैं। इसी तरह बरघाट के ग्राम सैला से अतिक्रमण हटाने को लेकर दर्ज की गई शिकायत पर की गई कार्यवाही का सूक्ष्म परीक्षण न करने को लेकर नायब तहसीलदार बरघाट को नोटिस जारी किया गया है। इसके अतिरिक्त जनपद केवलारी के पुल निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच को लेकर की शिकायत के संबंध में कलेक्टर सुश्री जैन ने ईई-आरईएस को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इसके अतिरिक्त महिला बाल विकास अंतर्गत लाडली लक्ष्मी योजना की भुगतान संबंधी शिकायत को लेकर संबंधित कुरई सीडीपीओ और जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसी तरह लाडली बहना योजना की हितग्राही का भुगतान समग्र से डीलिंग होने के कारण न होना बताया जाने पर उक्त प्रकरण की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इसी तरह उपार्जन केन्द्र झिंझरई में अधिक तौल की शिकायत को लेकर जिला खाद्य अधिकारी तथा जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं।

राज्य स्तरीय ओपन सब जूनियर कैडेट जूनियर ताइक्वांडो प्रतियोगिता में सिवनी के खिलाड़ियों ने जीते सात कांस्य पदक

सिवनी जिला ताइक्वांडो संघ सिवनी सचिव फिरोज खान ने बताया कि मध्य प्रदेश ओपन सब जूनियर कैडेट जूनियर वर्ग ताइक्वांडो चैंपियनशिप 27 से 29 दिसंबर 2024 को डेनियल सेन कॉलेज छिंदवाड़ा में आयोजित की गई थी जिसमें सिवनी जिले के नौ खिलाड़ियों ने सचिन एवं कोच फिरोज खान के नेतृत्व में भाग लिया जिसमें सब जूनियर बालिका वर्ग में अलीज़ा हयात में-26 किलोग्राम में कांस्य पदक लावान्या धुर्वे - 35 किलोग्राम में कांस्य पदक सब जूनियर बालक वर्ग में मयूर भलावी -21 किलोग्राम में सहभागिता मो. अलमीर हमज़ा -29 किलोग्राम में कांस्य पदक कैडेट बालिका वर्ग में- 152 सेंटीमीटर वर्ग में अन्वेषा सनोडिया ने कांस्य पदक तान्या बघेल-160 सेंटीमीटर में कांस्य पदक अन्वी ठाकुर +148 सेंटीमीटर में सहभागिता कैडेट बालक वर्ग में सूर्यांश डोंगरे - 160 सेंटीमीटर में कांस्य पदक एवं कुनाल परते - 164 सेंटीमीटर में कांस्य पदक प्राप्त किया ज्ञात होगी सभी खिलाड़ियों ने प्रथम बार प्रतियोगिता में भाग लिया और आने वाले वाली प्रतियोगिताओं में उच्च प्रदर्शन के लिए संकल्परत है खिलाड़ियों एवं जिले की सफलता पर जिला ताइक्वांडो संघ सिवनी अध्यक्ष श्री राजा बघेल संघ के सभी पदाधिकारी सेंट फ्रांसिस स्कूल के मैनेजर फादर विकास जोसेफ प्रिंसिपल सिस्टर जर्नी मैथ्यू केंब्रिज स्कूल के प्राचार्य देशराज कटरे एवं सभी स्कूलों के प्राचार्य शिक्षक एवं अभिभावक गणों ने खिलाड़ियों को बधाइयां दी एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

माचागोरा में साल भर जेटस्की, बनाना बोट का आनंद उठा सकेंगे पर्यटक

जल महोत्सव के बीच नए साल पर पर्यटकों को मिली बड़ी सौगात

छिंदवाड़ा। जिला प्रशासन व मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड के सयुंक्त शुरू हुए जल महोत्सव में पर्यटकों के आने का सिलसिला लगातार जारी है। बुधवार को जल महोत्सव में हजारों पर्यटकों ने शामिल होकर वॉटर व एयर एक्टिविटी का लुफ़्त उठाया। जल महोत्सव के बीच छिंदवाड़ा और आस-पास के जिलों के लिए अच्छी खबर यह है कि जल महोत्सव निरंतर चलता रहेगा व माचागोरा बोट क्लब पर जेटस्की, बनाना बोट सहित अन्य गतिविधियां साल भर जारी रहेंगी। साथ ही नए वर्ष के अवसर पर यहां टेंट सिटी भी लगी हुई है, जिसमें नाइट स्टे किया जा सकता है। पर्यटकों के लिए यहाँ मनोरंजन और देसी भोजन का विशेष इंतजाम हमेशा रहेंगे। बुधवार को जिले के हजारों पर्यटकों ने माचागोरा जल क्षेत्र में पहुंच कर न सिर्फ वॉटर एक्टिविटी में भाग लिया बल्कि यहां बिक रहे पकवानों का स्वाद लिया और बच्चों ने खिलौने खरीदे।

कलेक्टर श्री शीलेंद्र सिंह व सीईओ श्री अग्रिम कुमार के कुशल मार्गदर्शन में पहली बार आयोजित हुए जल महोत्सव को छिंदवाड़ा सहित आस-पास के जिलों से भी जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। जिला

पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के नोडल अधिकारी बलराम राजपूत ने बताया कि जल महोत्सव की अवधि बढ़ा दी गई है, पर्यटक यहां मेले का आनंद जनवरी माह के प्रथम पखवाड़े तक उठा सकते हैं, इसके साथ सभी पर्यटकों को जानकारी दी गई कि माचागोरा बोट क्लब पूरी तरह स्थाई है और मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड ने यहां बोटिंग सहित अन्य साहसिक गतिविधियों की अनुमति दी है। माचागोरा बोट क्लब में बनाना बोट, पैडल वोट, मोटर बोट, जेटस्की जैसी सारी एक्टिविटी वर्ष भर जारी रहेगी। पर्यटक प्रबंधक गिरीश लालवानी ने बताया कि पर्यटकों के नाइट स्टे की उचित व्यवस्था के लिए जल क्षेत्र में टेंट सिटी लगाई गई है, साथ ही नव वर्ष पर यहां मेले के साथ पर्यटकों के मनोरंजन, भोजन की व्यवस्था की गई है। नव वर्ष का पैकेज पर्यटकों के लिए बहुत ही किफायती दामों में उपलब्ध है।

विद्यार्थियों के नृत्य ने बंधा समां

जल महोत्सव में प्रतिदिन शाम चौरई, अमरवाड़ा सहित आस-पास के स्कूलों से आए विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। एक से बढ़कर एक नृत्य और गायन की प्रस्तुतियां देते हुए विद्यार्थियों ने उपस्थित जनसमुदाय का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मौजूद कलेक्टर श्री शीलेंद्र सिंह, सीईओ श्री अग्रिम कुमार, चौरई एसडीओपी श्री सौरभ तिवारी, एसडीएम श्री प्रभात मिश्रा, सीईओ श्री तरुण राहंगडाले ने विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन किया।

एसडीओपी ने गाया गीत, जनता ने बजाई तालियां

सांस्कृतिक कार्यक्रम में उस वक्त माहौल रोमांचक हो गया जब चौरई एसडीओपी श्री सौरभ तिवारी ने मंच पर पहुँचकर गीत गाया। मधुर आवाज़ में गीत प्रस्तुत कर रहे श्री तिवारी का उत्साह जनता और कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने किया।

भोपाल बनी राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता की विजेता

सोहागपुर । राज्य स्तरीय ओपन कबड्डी प्रतियोगिता का समापन गुरूवार को देर शाम स्थानीय जवाहरलाल नेहरू स्मृति महाविद्यालय के खेल मैदान पर हुआ। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में भोपाल की टीम ने ढाबा कला की टीम पर जीत दर्ज कर विजेता का खिताब अपने नाम कर लिया। मंच से विजेता टीम आरसीसी भोपाल की टीम को 21 हजार रुपए नगद एवं विजेता ट्रॉफी विधायक विजयपाल सिंह ने प्रदान कर पुरस्कार किया गया। उपविजेता ढाबाकला की टीम को 11 हजार रुपए नगद एवं उपविजेता ट्रॉफी प्रदान की गई। प्रतियोगिता में नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव की टीम तृतीय स्थान पर रही। गौरतलब है कि यह प्रतियोगिता डॉ. अरविंद सिंह चौहान सोशल बेलफेयर एवं खेल अकादमी सोहागपुर द्वारा आयोजित की गई थी। दर्शकों की भारी भीड़ के बीच देर शाम फाइनल मैच खेला गया। विजेता एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को विधायक विजयपाल सिंह , नप अध्यक्ष प्रतिनिधि यशंवत पटैल, उपाध्यक्ष आकाश रघुवंशी , शासी निकाय अध्यक्ष कैलाश पालीवाल जिला कबड्डी संघ से सरदार सिंह पूर्व नप अध्यक्ष अभिलाष सिंह चंदेल , अभिषेक चौहान अकादमी अध्यक्ष हमीर सिंह चंदेल , सचिव अश्विनी सरोज , अभिनव पालीवाल , अंकुश जायसवाल, ऐकम सिंह राजपूत , रवि उइके , रज्जन यादव की मौजूदगी में पुरुस्कृत किया। प्रतियोगिता में कमेंट्री जुल्फिकार अली एवं पवन चौहान द्वारा की गई।

महिला वर्ग में नर्मदापुरम बनी विजेता : खेल अकादमी के सचिव अश्विनी सरोज ने बताया कि राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में महिलाओं की 6 टीमों ने भी सहभागिता निभाई। प्रतियोगिता में इटारसी के पास जमानी ग्राम की दो टीम कामती रंगपुर की दो टीम , सोहागपुर की एक टीम सहित नर्मदापुरम की टीम शामिल रही। महिलाओं की प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला नर्मदापुरम एवं जमानी की ए टीम के बीच खेला गया जिसमें कबड्डी खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जमानी ए टीम को फाइनल मुकाबले में हराकर नर्मदापुरम ने खिताब अपने नाम कर लिया।

जीसीसीआई की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक गोशाला कड़ी में सफलतापूर्वक संपन्न , प्रमुख नेता गौ प्रेमी दिलीप संघानी और भूपेन्द्रसिंह भी रहे मौजूद

नरसिंहपुर. । ग्लोबल कन्फेडरेशन ऑफ काउ-बेस्ड इंस्टीट्यूशंस (जीसीसीआई) ने हाल ही में नंद गौशाला, कादी-थोल रोड गुजरात में गोमाता की सुरक्षा और देखरेख को लेकर भव्य गोशाला में कार्य करने की बैठक का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में गाय आधारित अर्थव्यवस्था और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए जीसीसीआई राष्ट्रीय कार्यकारिणी के समर्पित कार्यकर्ताओं, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और उद्योग जगत के नेताओं की उत्साही उपस्थिति देखी गई। जीसीसीआई सचिव अमिताभ भटनागर ने सभी का मौखिक आत्मीय स्वागत किया। बैठक का उद्घाटन इफको के अध्यक्ष दिलीपभाई सघानी और गुजरात सरकार के पूर्व शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह और गणमान्य व्यक्तियों ने किया। दिलीपभाई संधानी ने सतत विकास में गायों के महत्व पर एक प्रेरक भाषण दिया। उन्होंने जैविक खेती के माध्यम से कृषि परिदृश्य को बदलने में पंचगव्य, गाय के गोबर और गोमूत्र जैसे गाय उत्पादों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश भी डाला।

पूर्व शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह ने गाय उद्यमिता को भारत के विकास ढांचे में एकीकृत करने की आवश्यकता पर एक प्रेरक भाषण दिया। उन्होंने खाद्य सुरक्षाऔर जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए गाय आधारित संसाधनों के वैज्ञानिक उपयोग की वकालत कुरते हुए डॉ. कथीरिया द्वारा प्रवर्तित ब्राउन रिवोल्यूशन की अवधारणा की सराहना की।जीसीसीआई के संस्थापक डॉ. वल्लभभाई कथीरिया ने संगठन का व्यापक परिचय दिया। अपने मिशन, दृष्टिकोण और गतिविधि के क्षेत्रों पर जोर देता है। डॉ। कथीरिया ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जीसीसीआई गाय आधारित कल्याण, सामाजिक-आर्थिक आत्म निर्भर और आध्यात्मिक जागरूकता के वैश्विकै पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए गाय के साथ सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व की प्राचीन संस्कृति को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध पहल की है.द्य उन्होंने गाय की देशी नस्ल की बहुआयामी क्षमता का उपयोग करते हुए हितधारकों; सरकारों, व्यापार और शैक्षणिक संस्थानों और समाजों के वैश्विक नेटवर्क को सशक्त बनाने के लिए एक मिशन बताया गया। मिशन का उद्देश्य गाय-आधारित उद्यमिता, पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं और आध्यात्मिक विकास के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन को उत्प्रेरित करना है। डॉ ने अपने भाषण के दौरान, कधीरिया के उन विभिन्न क्षेत्रों के बारे में विस्तार से बताया जिनमें जीसीसीआई काम कर रहा है, जिसमें प्रजनन सुधार के माध्यम से बेहतर ऊत्पादकता के लिए स्वदेशी गाय की नस्लों को बढ़ाना, प्राकृतिक खेती में गाय आधारित खेती और जैव उर्वरक शामिल हैं।उत्पादों का उपयोग करके जैविक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, पंचगव्य उत्पादन के माध्यम से स्वास्थ्य और कल्याण के लिए गाय से प्राप्त उत्पादों का उपयोग करना, आपदा प्रबंधन और गौचर विकास के माध्यम से चरागाह भूमि को पुनर्जीवित करना और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत प्रदान करना, गाय पर्यटन और विपणन भारत की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है. गो उद्यमिता प्रशिक्षण और महिला सशक्तिकरण में गाय आधारित उद्योगों में उद्यमिता के लिए व्यक्तियों को कौशल से आत्मनिर्भर करना। अनुसंधान और नवाचार में सत्यापन, गुणवत्ता नियंत्रण और गाय आधारित उत्पादों में मानकीकरण पर ध्यान जैसे विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

डॉ। बल्लभ भाई ने समान विचारधारा वाले व्यक्तियों और संगठनों को जीसीसीआई के नेक मिशन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। ÷आइए हम सब मिलकर गाय सेवा के वास्तविक सार को समझें और बेहतर भविष्य के लिए सक्रिय रूप से योगदान दें। जीसीसीआई एक सशक्त है और मजबूत हे यह एक शानदार, गाय-केंद्रित वैश्विक आंदोलन है जहां उत्कृष्टता, करुणा और उद्यमिता भागीदार बन गए है।जीसीसीआई के संस्थापक डॉ. वल्लभभाई कथीरिया ने सभी प्रतिभागियों की सक्रियता को ध्यान में रखते हुए गाय आधारित टिकाऊ सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए संगठन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हितधारकों की सामूहिक जिम्मेदारी और योगदान एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारतीय अर्थव्यवस्था की दिशा में अभियान को गति देगा।कार्यक्रम का समापन गौ विद्यापीठ के संस्थापक दिनेश पटेल के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें पारंपरिक प्रथाओं को आधुनिकता के साथ जोड़ने के जीसीसीआई के दृष्टिकोण को प्राप्त करने में सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला गया। पूरे कार्यक्रम को नंद गौ स्कूल के रजनीभाई पटेल द्वारा प्रायोजित किया गया था। उपस्थित सभी गौ प्रेमियों को गौ उत्पादों के आकर्षक किट एवं अन्य ज्ञानवर्धक पत्रक उपहार स्वरूप दिये गये।

जीसीसीआई के महासचिव मितल खेतान, अमिताभ भट्टनागर के साथ-साथ तेजस चोटलिया, मीनाक्षी शर्मा, सुनील पटेल, केशपपटेल, मेहुल बावला, मिलन अरवाडिया, कपिल पंसुरिया, माथुर लाठिया और समर्पित कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान किया विदेश देश से आए हुए गोप्रेमियों के साथ साथ 22 राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ साथ मध्यप्रदेश के अध्यक्ष दिलीप धनराज गुप्ता ,प्रेस संयोजक प्रेस मीडिया ,भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड से नियुक्त मानद पशु कल्याण प्रतिनिधि ,राष्ट्रीय श्रम जीवी पत्रकार परिषद जिला अध्यक्ष भागीरथ तिवारी ,अतिथि न्यूज से ब्यूरो सतीश लवानिया चौगान किला गोवंश कल्याण आश्रम प्रमुख , गौ रक्षा संस्थान अध्यक्ष स्नेहलता दास दीदी आदि उपस्थित रहे द्य

भोपाल, इंदौर-उज्जैन समेत 40 जिलों में कोहरा

भोपाल। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर-उज्जैन समेत मध्यप्रदेश के करीब 40 जिलों में शुक्रवार सुबह भी कोहरा छाया रहा। ग्वालियर में यह इतना घना था कि विजिबिलिटी 100 मीटर के आसपास रही। भोपाल में ओस के चलते शहरभर की सड़कें भीगी नजर आईं। जबलपुर में बीते कुछ दिन से पारा 8 डिग्री सेल्सियस पर ठहरा है। यहां सुबह और रात को कड़ाके की ठंड पड़ रही है। प्रदेश के इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी में पारा 4 डिग्री सेल्सियस के नीचे है। वहीं, सभी शहरों में पारा 13 डिग्री से कम बना हुआ है।

मौसम विभाग ने अगले 3 दिन तक मध्यम से घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। हालांकि, इस दौरान शीतलहर का अलर्ट नहीं है। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि प्रदेश में अभी कोहरे का असर बना रहेगा। तीन दिन के बाद न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी।

फिलहाल, जम्मू, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, लद्दाख में बर्फबारी हो रही है। जिससे सर्द हवाएं प्रदेश में आ रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार, जेट स्ट्रीम हवा 12.6 किमी की ऊंचाई पर 222 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चल रही है। इस कारण ठंड का असर है। आने वाले दिनों में बर्फ पिघलेगी। जिससे हवा की रफ्तार तेज होगी और प्रदेश में ठंड का असर बढ़ जाएगा। इस कारण जनवरी में प्रदेश का मौसम ठंडा ही रहेगा। 20 से 22 दिन तक शीतलहर चलने का अनुमान है।

बारिश थमते ही ठंड का असर बढ़ा

बता दें कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की एक्टिविटी के चलते दिसंबर के आखिरी दिनों में बारिश और ओले का दौर रहा। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन समेत 45 से अधिक जिलों में बारिश हुई। वहीं, 20 जिले ऐसे रहे, जहां ओले भी गिरे। बारिश का दौर खत्म होते ही ठंड का असर बढ़ गया। साल 2024 की आखिरी रात भी ठंडी रही। वहीं, नए साल 2025 के पहले और दूसरे दिन सर्दी का असर बना रहा।

दो दिन ऐसा रहेगा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार 4 जनवरी को भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, नीमच, मंदसौर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, राजगढ़, विदिशा, सीहोर, रायसेन, सागर, नरसिंहपुर, दमोह, निवाड़ी, टीकमगढ़, पन्ना, कटनी, सतना, मैहर, सीधी, मऊगंज, सिंगरौली और रीवा में घना कोहरा रहेगा।

5 जनवरी को भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, नीमच, मंदसौर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, राजगढ़, विदिशा, सीहोर, रायसेन, सागर, नरसिंहपुर, दमोह, निवाड़ी, टीकमगढ़, पन्ना, कटनी, सतना, मैहर, सीधी, मऊगंज, सिंगरौली और रीवा में घना कोहरा छाया रहेगा।

पचमढ़ी में रिकॉर्ड 3.4 डिग्री पारा

नए साल की दूसरी रात ने भी प्रदेश को कंपकपा दिया। गुरुवार-शुक्रवार की रात पचमढ़ी में तो एक ही रात में पारा 7.6 डिग्री लुढ़क कर 3.4 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। रीवा, रायसेन, मंडला, नौगांव, राजगढ़, खजुराहो, उमरिया, गुना में पारा 7 डिग्री के नीचे रहा। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में सबसे कम 6.8 डिग्री, जबलपुर में 7 डिग्री, ग्वालियर में 7.6 डिग्री, उज्जैन में 9 डिग्री और इंदौर में 9.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बीजेपी जिलाध्यक्ष: मप्र के 50 जिलों में बनी सहमति, आज आ सकती है पहली सूची

भोपाल। मध्यप्रदेश में बीजेपी के जिलाध्यक्षों के नामों का पैनल तैयार हो गया है। करीब 50 जिलों में रायशुमारी के बाद सहमति बन गई है। नामों के इस पैनल को अब भोपाल से ई-मेल के जरिए दिल्ली भेजा जाएगा। दिल्ली से हरी झंडी मिलने के बाद आज रात तक पहली सूची आने की संभावना है। इसमें 50 जिलों के अध्यक्ष घोषित किए जा सकते हैं।

इससे पहले गुरुवार देर रात तक बीजेपी के जिला निर्वाचन अधिकारियों और पर्यवेक्षकों ने रायशुमारी में आए नामों की मेरिट लिस्ट के आधार पर पैनल तैयार किए। हर जिले के पैनल में एक महिला और एसटी-एससी नेता का नाम भी शामिल किया गया है। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मध्यप्रदेश में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय परिषद सदस्यों का चुनाव कराएंगे। पार्टी ने उन्हें प्रदेश संगठन के लिए चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है।

गुरुवार देर रात तक चली बैठक– प्रदेश भाजपा कार्यालय में गुरुवार देर रात करीब सवा दस बजे तक जिलेवार वन-टू-वन बैठक चली। इससे पहले सुबह 11 बजे से बीजेपी की प्रदेश संगठन चुनाव की पर्यवेक्षक सरोज पांडे, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश चुनाव अधिकारी विवेक शेजवलकर, सह चुनाव अधिकारी रजनीश अग्रवाल ने जिला निर्वाचन अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के साथ रायशुमारी के टेबुलेशन शीट और पैनल पर चर्चा की।

दोपहर 2 बजे तक फर्स्ट राउंड में 22 जिलों की चर्चा हुई। दोपहर 2.30 बजे से रात करीब 10.15 बजे तक बाकी बचे जिलों की वन-टू-वन मीटिंग हुई।

भोपाल से जाचक, इंदौर से गुप्ता का नाम– बीजेपी महिलाओं को भी राजनैतिक भागीदारी देने के लिए लगातार कदम उठा रही है। संसद में महिला बिल पारित होने के बाद अब एमपी के दर्जनभर जिलों की कमान महिलाओं को सौंपी जा सकती है। फिलहाल, नवगठित पांढुर्णा जिले में प्रदेश की एकमात्र महिला जिला अध्यक्ष वैशाली महाले हैं।

भोपाल में वंदना जाचक और इंदौर नगर में दिव्या गुप्ता को मौका मिल सकता है। टीकमगढ़ में सरोज राजपूत भी लॉबिंग में जुटी हैं।

दिल्ली में होगी समीकरणों की क्रॉस चेकिंग

हर जिले से बनाए गए तीन-तीन नामों के पैनल का आज ही दिल्ली में केंद्रीय संगठन चुनाव से जुड़ी टीम परीक्षण करेगी। इसमें यह देखा जाएगा कि क्षेत्रीय, जातीय समीकरणों के अनुसार जिलाध्यक्ष बनाए जा रहे हैं या नहीं। यह भी देखा जाएगा कि महिलाओं, एसटी-एससी वर्ग को कितना प्रतिनिधित्व मिल रहा है।

पूर्व सांसद और पूर्व विधायक भी कतार में

बीजेपी का जिलाध्यक्ष बनने के लिए पूर्व सांसद, पूर्व विधायक से लेकर वर्तमान जिलाध्यक्ष और कई सीनियर नेता लॉबिंग में जुटे हैं। सागर में पूर्व सांसद राजबहादुर सिंह, पूर्व विधायक हरवंश राठौर, टीकमगढ़ में पूर्व विधायक राकेश गिरि, निवाड़ी में पूर्व विधायक शिशुपाल यादव जिलाध्यक्ष बनने के लिए लगातार नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं।

कचरा जलाने के खिलाफ पीथमपुर बंद, दो युवाओं ने किया आत्मदाह का प्रयास

पीथमपुर। पीथमपुर में यूका का कचरा जलाए जाने के विरोध में आंदोलन कर रहे राजू पटेल और राजकुमार रघुवंशी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह की कोशिश की। पुलिस ने दोनों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया है।

आंदोलनकारियों ने बस स्टैंड इलाके में जाम लगा रखा है। करीब आधे घंटे से वे सड़क पर बैठे हैं। दोनों तरफ का ट्रैफिक रुका हुआ है। एसडीएम प्रमोद कुमार गुर्जर जनप्रतिनिधियों से बात करने पहुंचे हैं। धार एडिशनल एसपी इंद्रजीत बगलवार भी मौजूद हैं। एसडीएम प्रमोद कुमार गुर्जर ने कहा- हम लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं कि कचरे को जलाने की प्रोसेस साइंटिफिक तरीके से हो रही है। लोगों से अपील है कि शांति बनाए रखें और प्रशासन का सहयोग करें।

जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में भोपाल गैस त्रासदी जन्मदाता कंपनी यूनियन कार्बाइड का कचरा पीथमपुर पहुंचने के दूसरे दिन विरोध बढ़ता जा रहा है। पूर्व से घोषित 'पीथमपुर बंद' को व्यापक समर्थन मिला। शुक्रवार सुबह से ही पीथमपुर के सारे बाजार बंद है। चाय, पानी की दुकानें बंद रखकर रहवासियों ने इस बंद को पूरा समर्थन दिया।

आज सुबह से यहाँ की छोटी-छोटी दुकानें भी बंद है। कुछ बंद समर्थकों ने बस स्टैंड और आजाद चौक पर पहुंचकर सड़के जाम करने का प्रयास किया। लेकिन, वहां मौजूद पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझाइश देकर रवाना किया। कल से आमरण अनशन पर बैठे संदीप रघुवंशी के समर्थन में बड़ी संख्या में लोग पहुच रहे है। जबकि, सैलाना विधायक कमलेश डोडियार कल से धरना स्थल पर मौजूद है। हालांकि यहाँ फैक्ट्रियां चालू है और कर्मचारियों और मजदूरों के आवागमन में कोई बाधा नहीं हो रही। बसों का संचालन भी हो रहा है। क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

कचरा आने के बाद आंदोलन उग्र

गुरुवार अलसुबह भोपाल से पीथमपुर में कचरा आने के बाद से प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की सांस फूल गई। पुलिस, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की समझाइश का जनता पर कोई असर पड़ता नजर नहीं आ रहा। सभी संगठन, संस्थाएं एक मंच पर आकर इसका विरोध कर रही हैं। बंद को रहवासियों का पूरा साथ मिला है। हर जगह बंद का असर नजर आ रहा है। कोई भी कारोबार करता नजर नहीं आ रहा। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि कचरा जलाना शुरू किया तो आंदोलन और भी भड़क जाएगा।

कई समाजसेवी संगठन पहुंचे

आदिवासी इलाके के अलावा इंदौर से भी कई संस्थाओं और सामाजिक संगठनों के लोग पीथमपुर गए। बड़ी संख्या में इंदौर में भी लोग इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे। मजदूर संघ, किसान संघ, रहवासी संघ और कई संस्थाएं पीथमपुर जाकर विरोध प्रदर्शन में हिस्सा ले रही हैं।

प्रदेश में 4 हजार बसें बंद, अस्थायी परमिट खत्म

भोपाल। मध्यप्रदेश में 1 जनवरी से 4 हजार बसें बंद हो गई हैं। यात्री बस स्टैंड और सड़कों पर इंतजार कर रहे हैं। हाईकोर्ट के आदेश के बाद इन बसों के अस्थायी परमिट की व्यवस्था खत्म हो गई है। कोर्ट ने कहा था कि अस्थायी परमिट भ्रष्टाचार बढ़ा रहे हैं।

कोर्ट के आदेश के बाद हालात ये हैं कि स्थायी परमिट जारी करने वाले अधिकारी संभागस्तर पर पदस्थ ही नहीं हुए हैं। परिवहन विभाग के

अफसर भी समाधान पर चुप्पी साधे हुए हैं। बस संचालकों की मुश्किल ये है कि बिना परमिट बस चलाने पर चार गुना पेनाल्टी का प्रावधान है। बिना परमिट की गाड़ियों का एक्सीडेंट होने पर यात्रियों को भी बीमा का लाभ नहीं मिल पाएगा। सितंबर 2024 में ग्वालियर हाईकोर्ट ने बस परमिट से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान स्टेट ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी की मनमानी पर गंभीर टिप्पणी की थी। कोर्ट ने कहा था- अस्थायी परमिट देना नियम बन गया है। इससे पूरे सिस्टम में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद की बू आ रही है।